जनता के गोठ

Website- https://www.jantakegoth.com

● वर्ष -01 ● अंक- 318 ● रायपुर, गुरुवार 12 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ- 12 ● मूल्य- 2 रुपया ● संपादक- शुभम वर्मा ● PRGI Reg No : CTBIL/25/A1787

स्वच्छ सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ का परचम, बिल्हा ने हासिल किया देश में पहला स्थान, रायपुर, बिलासपुर भी पुरस्कृत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों उप मुख्यमंत्री अरुण साव, प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा व महापौरों ने ग्रहण किया राष्ट्रीय पुरस्कार

20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में बिल्हा ने देश में हासिल किया प्रथम स्थान



रायपुर। स्वच्छता और बेहतर नगरीय प्रबंधन की दिशा में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों नगर पालिक निगम रायपुर, नगर पालिक निगम बिलासपुर और नगर पंचायत बिल्हा को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विशेष रूप से बिलासपुर जिले की नगर पंचायत बिल्हा ने देश में 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। वहीं, 'स्वच्छ रिवर फ्रंट टाउन' श्रेणी में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। रायपुर नगर पालिक निगम को स्वच्छता में राज्य में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के पुरस्कार वितरण समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव, विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा तथा संबंधित नगरीय निकाय के महापौरों एवं आयुक्तों ने राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रहण किया। इस उपलब्धि से राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों के स्वच्छता संबंधी प्रयासों को नई पहचान मिली है। कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर तथा केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रदेशवासियों, संबंधित नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्वच्छता कर्मियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साय ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ को मिले राष्ट्रीय सम्मान हमारे शहरों की बदलती तस्वीर और स्वच्छता के प्रति प्रदेशवासियों की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। बिल्हा जैसे छोटे नगर का देश में प्रथम स्थान प्राप्त करना, बिलासपुर का स्वच्छ नदी तटवर्तीय श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल करना और रायपुर का राज्य में अग्रणी स्थान पर रहना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल स्वच्छता की रैंकिंग में आगे बढ़ना नहीं, बल्कि ऐसी स्थायी व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें स्वच्छता हर नागरिक की आदत और हर शहर की पहचान बने। जनभागीदारी, आधुनिक नगरीय सुविधाओं और प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से हम स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं। उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों को सम्मानित किया जाना प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्वच्छता कर्मियों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। नगर पंचायत बिल्हा का 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करना विशेष उपलब्धि है।

जनजातीय गौरव दिवस की तैयारियों का जायजा लेने धरमजयगढ़ पहुंचीं स्मृति ईरानी



रायगढ़। छत्तीसगढ़ की भारतीय जनता पार्टी प्रभारी स्मृति ईरानी ने रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ पहुंचकर आगामी 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आयोजित होने वाले जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम और वित्त मंत्री ओपी चौधरी भी मौजूद रहे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धरमजयगढ़ में प्रस्तावित जनजातीय गौरव दिवस समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के शामिल होने का कार्यक्रम है। उनके प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर स्मृति ईरानी ने पार्टी के नेताओं के साथ आयोजन स्थल का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मंच निर्माण, सुरक्षा व्यवस्था, आगंतुकों के बैठने की सुविधा तथा कार्यक्रम से जुड़ी अन्य आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर स्थानीय भाजपा पदाधिकारियों और आयोजन से जुड़े जिम्मेदार कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा एवं व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती प्रतिवर्ष 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जाती है।

धरमजयगढ़ में प्रस्तावित आयोजन को लेकर भाजपा संगठन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी पदाधिकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

शुभेंदु ने ममता के वीआईपी कल्चर पर निशाना साधा



कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार की रात प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास हरीश चटर्जी स्ट्रीट का दौरा किया और तृणमूल कांग्रेस के वीआईपी कल्चर पर निशाना साधते हुए वहां लगायी गयी पाबंदियों के बारे में बताया। अधिकारी ने बनर्जी का सीधे नाम लिए बिना उनके आवास के आसपास की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाये। उन्होंने आरोप लगाया कि इस संकरी रिहायशी सड़क को एक तरह से 'प्रतिबंधित क्षेत्र' में बदल दिया गया था, जहां बैरिकेड्स, गाडरेल्स, सुरक्षा जांच और अन्य रुकावटों की वजह से आम निवासियों और कारोबारियों का जीवन मुश्किल हो गया था। उन्होंने कहा, वहां एक अलग तरह की व्यवस्था थी। लोगों को मानो कैद में रहना पड़ रहा था। सड़क को बैरिकेड्स और गाडरेल्स से बंद कर दिया गया था; वहां जांच और कई तरह की पाबंदियां थीं। यहां तक कि छोटे व्यापारी और कुम्हार भी अपना काम ठीक से नहीं कर पा रहे थे। वहां एक अजीब सी व्यवस्था लागू थी। अधिकारी ने पूर्व मुख्यमंत्री बनर्जी की सुरक्षा और वीआईपी इंतजामों को लेकर तंज कसते हुए कहा कि अगर उन्हें ऐसा माहौल चाहिए था, तो वह घनी आबादी वाले इलाके में रहने के बजाय कहीं और कोई बड़ी जगह चुन सकती थीं। उन्होंने कहा, उनके पास पैसों की कोई कमी नहीं है। उनके पास बहुत पैसा है। वह कहीं और फार्महाउस बनाकर रह सकती थीं। लेकिन यह एक घनी आबादी वाला इलाका है, और यहां हर चीज के लिए कुछ नियम-कायदे होने चाहिए। अधिकारी के इन बयानों ने कल हरीश चटर्जी स्ट्रीट पर किए गए दौरे को एक नया राजनीतिक मोड़ दे दिया है। अपने इस दौरे के दौरान उन्होंने कई काली पूजा पंडालों में जाकर लोगों से बातचीत की थी और अपनी पूर्ववर्ती के आवास के बाहर भी रुके थे। मुख्यमंत्री ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष से जुड़े विवाद पर भी बात की, लेकिन यह स्पष्ट कर दिया कि वह चल रही जांच पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने भाई दूज की बधाई दी, भाई-बहन के अटूट प्रेम के बंधन के उत्सव का त्योहार बताया



नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को देशवासियों को भाई दूज की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस त्योहार को भाई-बहन के बीच गहरे स्नेह, आत्मीयता और अटूट बंधन का उत्सव बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक संदेश में अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा, भाई दूज के पावन अवसर पर देश भर के मेरे सभी परिवारजनों को हार्दिक बधाई। इस त्योहार के भावनात्मक और सांस्कृतिक महत्व पर जोर देते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि भाई दूज भाई-बहन के गहरे रिश्ते की मिठास और आत्मीयता का प्रतीक है। उन्होंने कहा, इस शुभ अवसर पर, मैं सभी के लिए सुख और समृद्धि की कामना करता हूं। भाई दूज (जिसे उत्तर और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में 'भाई टीका' और पश्चिम बंगाल में 'भाई फेंटा' के नाम से भी जाना जाता है) दिवाली के बाद, हिंदू चंद्र कैलेंडर के कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष के दूसरे दिन मनाया जाता है।

यह त्योहार भाई-बहन के विशेष बंधन को समर्पित है। इस दिन बहनें पारंपरिक रूप से अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाती हैं और उनकी खुशी, समृद्धि और लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करती हैं।

कर्नाटक के गृह मंत्री के खिलाफआरएसएस संबंधी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर पुलिस में शिकायत



बेंगलुरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को गोला-बारूद की जब्ती से जोड़ने वाले आरोपों को लेकर भाजपा और कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे के बीच राजनीतिक टकराव और बढ़ गया। खरगे के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित तौर पर भ्रामक जानकारी और छेड़छाड़ की गई तस्वीर साझा करने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। बेंगलुरु के बनशंकरी पुलिस थाने में तेजस ए. गौड़ा की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 192, 196 और 353 के तहत खड़गे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि खरगे की पोस्ट से गलत जानकारी फैल सकती है, तनाव पैदा हो सकता है और सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता है। पुलिस ने हालांकि अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की है। यह विवाद खरगे की उस सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने बिहार और हरियाणा में 44,250 कारतूसों की बरामदगी को लेकर आरएसएस और भाजपा पर सवाल उठाए थे। उन्होंने गोला-बारूद की जब्ती से जुड़े कुछ लोगों और आरएसएस स्वयंसेवकों के बीच कथित समानता की ओर ध्यान दिलाते हुए इस घटना में संगठन की संभावित भूमिका पर सवाल उठाए थे। उनकी पोस्ट पर भाजपा नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी और खरगे से अपने आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने को कहा।

मदर डेयरी के दूध के दाम गुरुवार से प्रति लीटर दो से चार रुपये तक हो जाएंगे महंगे

नयी दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र की प्रमुख दुग्ध आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी ने गुरुवार से विभिन्न प्रकार के दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। मदर डेयरी के आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, परिचालन लागत में हुई वृद्धि की आंशिक भरपाई करने के उद्देश्य से दूध के दामों में यह बढ़ोतरी की जा रही है। नयी दरें कल से उन सभी क्षेत्रों में प्रभावी हो जाएंगी जहां मदर डेयरी का दूध आपूर्ति किया जाता है। इस बढ़ोतरी के तहत सबसे ज्यादा 4 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि फुल क्रीम दूध में की गई है, जिसके बाद इसका पैकेट 72 रुपये से बढ़कर अब 76 रुपये प्रति लीटर हो जाएगा। वहीं, मदर डेयरी का लोकप्रिय गाय का दूध 3 रुपये प्रति लीटर महंगा होकर 62 रुपये की जगह 65 रुपये प्रति लीटर मिलेगा।

एफएसएसएआई ने जुलाई 2028 से दूध और उससे बने उत्पादों पर 'डेयरी लोगो' लगाना किया अनिवार्य

नयी दिल्ली। भारत के खाद्य सुरक्षा नियामक (एफएसएसएआई) ने एक जुलाई 2028 से दूध और उससे बने उत्पादों (जिनमें मिश्रित दूध उत्पाद भी शामिल हैं) पर एक मानक लोगो लगाना अनिवार्य कर दिया है। ये उत्पाद एफएसएसएआई के डेयरी मानकों के दायरे में आते हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने छह नवंबर को अंतिम नियम अधिसूचित किया। इसके तहत 'खाद्य सुरक्षा और मानक (लेबलिंग और प्रदर्शन) विनियम, 2020' में संशोधन किया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि दूध और दूध से बने सभी उत्पादों (मिश्रित दूध उत्पादों सहित) पर यह लोगो होना चाहिए। यह बात 2011 के खाद्य उत्पाद मानकों के तहत परिभाषित श्रेणियों के संदर्भ में कही गई है। इस वर्गाकार (स्क्वायर) लोगो का न्यूनतम आकार, पैकेज के मुख्य डिस्प्ले पैनल के क्षेत्रफल पर निर्भर करेगा। 100 वर्ग सेमी तक के पैनल पर इसकी प्रत्येक भुजा कम से कम 6 मिमी की होनी चाहिए, 100 से 500 वर्ग सेमी तक के पैनल पर 8 मिमी, 500 से 2,500 वर्ग सेमी तक के पैनल पर 12 मिमी, और इससे बड़े पैनल पर 16 मिमी होनी चाहिए। इस संशोधन में लोगो के भीतर मौजूद 'ड्रॉप' की न्यूनतम ऊंचाई और चौड़ाई भी तय की गई है। एफएसएसएआई ने फरवरी 2025 में सार्वजनिक टिप्पणी के लिए जारी किए गए मसौदे पर मिली आपत्तियों और सुझावों पर विचार करने के बाद, केंद्र सरकार की पूर्व मंजूरी से ये अंतिम नियम जारी किए हैं।

करीब पौने दो करोड़ रुपये की उठाईगिरी मामले में बस्तर पुलिस को बड़ी सफलताए 150 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर आरोपियों तक पहुंची पुलिस

मोती ज्वेलर्स उठाईगिरी कांड का पुलिस ने किया खुलासाए महिला गैंग निकली मास्टरमाइंडय नाबालिग समेत पांच आरोपी गिरफ्तार





जगदलपुर। शहर के बहुचर्चित मोती ज्वेलर्स उठाईगिरी कांड का बस्तर पुलिस ने खुलासा करते हुए एक महिला गैंग का पर्दाफाश किया है। करीब पौने दो करोड़ रुपये की इस सनसनीखेज वारदात में पुलिस ने नाबालिग समेत कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस पूरी वारदात के पीछे एक महिला गैंग की प्रमुख भूमिका थीए जिसे घटना का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बस्तर पुलिस ने आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए व्यापक स्तर पर जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान घटनास्थल सहित आसपास के क्षेत्रों में लगे करीब 150 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। इसके साथ ही तकनीकी साक्ष्यों और संदिग्धों की गतिविधियों का बारीकी से विश्लेषण किया गया। लगातार जांच के बाद पुलिस की टीम को महत्वपूर्ण सुराग मिलेए जिसके आधार पर जांच का दायरा रायकोट इलाके तक पहुंचा।

सुराग मिलने के बाद पुलिस टीम ने संबंधित क्षेत्र में करीब दो दिनों तक लगातार निगरानी रखी। सघन छानबीन और सुनियोजित कार्रवाई के बाद पुलिस ने जंगलों में आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की। इसके बाद नाबालिग समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसारए गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और जांच में महिला गैंग की संलिप्तता सामने आई है। इस गिरोह की भूमिका वारदात की योजना और उसके क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण बताई जा रही है। करीब पौने दो करोड़ रुपये की इस बड़ी उठाईगिरी का खुलासा बस्तर पुलिस के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। फिलहाल मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की गई है।

इसरो ने जीएसएलवी-एफ19 मिशन के क्रायोजेनिक इंजन का किया सफल परीक्षण

चेन्नई। जीएसएलवी-एफ18/एनवीएस-03 मिशन की सफलता के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने जीएसएलवी-एफ19 रॉकेट के क्रायोजेनिक इंजन के तीसरे चरण की टेस्टिंग को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। यह परीक्षण पांच नवंबर 2026 को तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स में किया गया। इसरो ने एक बयान में बताया कि परीक्षण के दौरान इंजन के मुख्य हिस्से (मेन इंजन) और गैस जनरेटर को तय योजना के अनुसार चालू किया गया। इंजन के लगातार संचालन के दौरान उसका प्रदर्शन सामान्य रहा और पहले से लगाए गए अनुमान के अनुरूप पाया गया। यह परीक्षण 200 सेकंड तक चला। इसरो ने इंजन के प्रदर्शन को संतोषजनक बताया है। अब इस इंजन को जीएसएलवी-एफ19 मिशन के क्रायोजेनिक चरण में लगाया जाएगा। इस मिशन के तहत एनवीएस-04 नेविगेशन उपग्रह को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इससे पहले 28 अक्टूबर को जीएसएलवी-एफ18 ने अपनी 20वीं उड़ान में एनवीएस-03 नेविगेशन उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में स्थापित किया था। यह प्रक्षेपण श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे लॉन्च पैड से सफलतापूर्वक किया गया था। उपग्रह में लगे एलएएम इंजनों को चार बार चालू कर कक्षा में बदलाव किया गया। इसके बाद 30 अक्टूबर 2026 को रात 23:51 बजे एनवीएस-03 को 170.3 किलोमीटर गुणा 38,080 किलोमीटर की भूस्थिर कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। एनवीएस-03 दूसरी पीढ़ी की नेविगेशन उपग्रह प्रणाली का तीसरा उपग्रह है। इसका उद्देश्य पहली पीढ़ी की भारतीय क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली (आईआरएनएसएस) की सेवाओं को लगातार जारी रखना है।

निजी स्कूलों की समस्याओं पर एक मंच से उठेगी आवाज, बलरामपुर में अशासकीय विद्यालय संचालक संघ ने दिखाई एकजुटता

बलरामपुर (जनता के गोठ) : अशासकीय विद्यालय संचालक संघ, जिला बलरामपुर की महत्वपूर्ण जिला स्तरीय बैठक मंगलवार, 10 नवंबर 2026 को नेशनल पब्लिक स्कूल, सनावल में आयोजित हुई। बैठक में जिलेभर के निजी विद्यालय संचालकों एवं संगठन के पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता करते हुए निजी विद्यालयों से जुड़ी समस्याओं, शैक्षणिक व्यवस्थाओं और संगठन की मजबूती को लेकर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया।

बैठक का प्रमुख उद्देश्य निजी विद्यालय संचालकों की समस्याओं को एक साझा मंच पर उठाना तथा उनके समाधान के लिए संगठित प्रयास करना रहा। इस दौरान मान्यता नवीनीकरण प्रमाणपत्रों का वितरण, मान्यता नवीनीकरण से संबंधित प्रक्रियाओं, शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के अंतर्गत लंबित भुगतान, यू-डाइस पोर्टल में आ रही तकनीकी एवं प्रशासनिक समस्याओं सहित विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक विषयों पर चर्चा की गई। साथ ही संगठन के सदस्यों को सदस्यता प्रमाणपत्र भी वितरित किए गए।

बैठक में संघ के संरक्षक अशोक नाथ तिवारी, जयप्रकाश जायसवाल एवं गोपालदास कुशवाहा ने संगठन की एकजुटता को सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि संगठन से जुड़कर सामूहिक रूप से कार्य करने के अनेक लाभ हैं। जब सभी विद्यालय संचालक एक मंच पर संगठित होकर अपनी बात रखेंगे, तभी उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान संभव होगा। उन्होंने सभी निजी विद्यालय संचालकों से संगठन की सदस्यता लेकर सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।



जिला अध्यक्ष प्रमेंद्र गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि संगठन केवल पद और पहचान का माध्यम नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, सहयोग, समन्वय एवं एकता का प्रतीक है। सभी विद्यालय संचालकों की सक्रिय भागीदारी से ही संगठन मजबूत बनेगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि किसी भी विद्यालय संचालक को समस्या या कठिनाई होने पर संगठन हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। निजी विद्यालयों के हितों एवं उनकी समस्याओं को संबंधित विभागों और प्रशासन के समक्ष मजबूती से उठाना संगठन की प्राथमिकता है। बैठक में जिला सचिव संदीप कुमार साहू ने संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने सभी सदस्यों से आपसी समन्वय बनाए रखते हुए संगठन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। वहीं संघ के संरक्षक, जिला एवं ब्लॉक पदाधिकारियों ने भी संगठन की मजबूती और निजी विद्यालयों के हितों को लेकर अपने विचार रखे। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष मृत्युंजय सिन्हा, जिला उपाध्यक्ष महेंद्र प्रसाद बारी, अभय उपाध्याय एवं प्रेमलता जायसवाल, राजपुर ब्लॉक अध्यक्ष आसन राम मानिकपुरी, ब्लॉक कोषाध्यक्ष विनय जायसवाल एवं कविता दास महंत तथा रामचंद्रपुर ब्लॉक अध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सुनील रवि, राजू पाल, अर्जुन पाल, फ्रिरोज खान, आरिफ अनवर, अखिलेश रवि, एहसान खान, अकीलम खान, आदित्य गुप्ता, अशोक कुशवाहा, अर्पणेश दत्त उपाध्याय, आसन राम मानिकपुरी एवं विशाल अग्रवाल सहित जिले के अनेक निजी विद्यालयों के संचालकों ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के अंत में जिला उपाध्यक्ष प्रेमलता जायसवाल ने बैठक में उपस्थित सभी संरक्षकों, जिला अध्यक्ष, जिला सचिव, समस्त पदाधिकारियों, ब्लॉक अध्यक्षों एवं विद्यालय संचालक बंधुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

आजादी के दशकों बाद भी सड़क-पुलिया को तरस रहा पूसपाल का डोंगरीपारा, ग्रामीणों ने उठाई आवाज



ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

जगदलपुर* देश आजादी के 80वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है, लेकिन कोंडागांव विकासखंड के ग्राम पूसपाल स्थित डोंगरीपारा आज भी सड़क और पुलिया जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। इससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों की समस्या जानने जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) एवं बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा की संयुक्त टीम गांव पहुंची और मौके पर स्थिति का जायजा लेकर ग्रामीणों से चर्चा की। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के दिनों में रास्ता बेहद कठिन हो जाता है। बच्चों को स्कूल जाने, मरीजों को अस्पताल पहुंचाने तथा बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधाएं दिलाने में काफी दिक्कत होती है।

इस दौरान चित्रकोट विधानसभा अध्यक्ष एवं कोंडागांव जिला प्रभारी कमल बघेल ने कहा कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी ग्रामीणों को सड़क-पुलिया के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, जो चिंताजनक है। वहीं बस्तर ग्रामीण जिला अध्यक्ष संतु कश्यप ने कहा कि सड़क के अभाव में शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की सुविधाएं प्रभावित हो रही हैं। कोंडागांव जिला अध्यक्ष उदय भंडारी ने संबंधित विभाग से तत्काल संज्ञान लेकर निर्माण कार्य कराने की मांग की।

संयुक्त टीम ने शासन-प्रशासन से डोंगरीपारा में सड़क एवं पुलिया निर्माण, अधिकारियों द्वारा स्थल निरीक्षण तथा आवश्यक बजट स्वीकृत कर जल्द काम शुरू कराने की मांग की। निरीक्षण के दौरान हरिराम कश्यप, लक्ष्मण पोयाम, करिया पोयाम, आयतु कवासी, मनी पोयाम, जिमटू बघेल, साधु मंडावी, पायको कश्यप, हाड़मे बघेल, सकमती मंडावी, बिताय कश्यप सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। टीम ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को शासन-प्रशासन के समक्ष उठाकर समाधान के लिए लगातार प्रयास किया जाएगा।

मांदर की थाप पर थिरका लखनपुरः करमा महोत्सव में बिखरे जनजातीय लोक संस्कृति के रंग

- साक्षरता मिनी स्टेडियम में जनजातीय गौरव सप्ताह के तहत हुआ ब्लॉक स्तरीय आयोजन

- संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कलाकारों संग किया पारंपरिक नृत्य, विजेताओं को किया पुरस्कृत



जनता के गोठ- रायपुर लखनपुर (ब्यूरो)। जनजातीय गौरव सप्ताह के उपलक्ष्य में लखनपुर का साक्षरता मिनी स्टेडियम बुधवार को जनजातीय लोक संस्कृति, परंपरा और उल्लास के रंगों से सराबोर हो उठा। ब्लॉक स्तरीय 'करमा महोत्सव' में गूंजती मांदर की थाप और पारंपरिक लोकगीतों की धुनों पर पूरा परिसर झूम उठा। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल रहे, जिन्होंने स्वयं मांदर की थाप पर कलाकारों के साथ कदम मिलाकर करमा नृत्य किया और जनजातीय संस्कृति के प्रति अपनी आत्मीयता प्रकट की।

जनजातीय संस्कृति हमारी अमूल्य धरोहरः मंत्री राजेश अग्रवाल

समारोह को संबोधित करते हुए संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि जनजातीय समाज की लोककला, संस्कृति और समृद्ध परंपराएं छत्तीसगढ़ की वास्तविक पहचान और अमूल्य धरोहर हैं। इन ऐतिहासिक परंपराओं का संरक्षण करने के साथ-साथ इन्हें नई पीढ़ी तक पहुंचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि करमा महोत्सव जैसे मंच ग्रामीण व वनांचल के कलाकारों की प्रतिभा को निखारने का सशक्त माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों से हमारी सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय पटल पर नई पहचान मिलती है। मंत्री ने सभी प्रतिभागी दलों के प्रदर्शन की सराहना की और विजेताओं को शील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

12 नृत्य दलों ने बांधा समां, परसोदी कला और तराजू रहे अव्वल

प्रतियोगिता में लखनपुर विकासखंड के तुरना, कोरजा, लोसगा और केवरा सेक्टर से आए 12 प्रमुख दलों ने हिस्सा लिया। कड़े मुकाबले के बीच परिणाम इस प्रकार रहेः

- करमा नृत्य प्रतियोगिताः
- प्रथम स्थानः जय शिव शारदा करमा पार्टी (परसोदी कला)
- द्वितीय स्थानः आदिवासी करमा दल (पीपरखार)
- शहीद वीर नारायण सिंह लोक कला प्रतियोगिताः
- प्रथम स्थानः शैला पार्टी (तराजू)

विजेता दल अब आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में लखनपुर विकासखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की रही गरिमामयी मौजूदगी

समारोह में जनपद अध्यक्ष शशिकला विक्रम सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष सावित्री दिनेश साहू, अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) रामराज सिंह, जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) खुशबू शास्त्री, एसडीओ (ऋअस), कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा), आकांक्षी विकासखंड फेलो सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी-

भाईदूज पर भीषण सड़क हादसा, चार लोगों की दर्दनाक मौत

कवर्धा। भाईदूज के त्योहार के दिन एक दर्दनाक सड़क हादसे ने चार परिवारों की खुशियां मातम में बदल दीं। रणवीरपुर चौकी क्षेत्र के ग्राम बनिया के पास दो बाइक की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस भीषण दुर्घटना में भाई-बहन समेत चार लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है।





पुलिस के अनुसार, हादसा उस वक्त हुआ जब भाई-बहन अपने पिता के साथ मामा के घर भाईदूज का त्योहार मनाकर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम बनिया के पास सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरे और पिता व भाई-बहन समेत चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मृतकों की पहचान भूपेंद्र कश्यप, पंकज कश्यप और रितू कश्यप निवासी बनंकारा तथा भावेश सिंह निवासी नवघटा के रूप में हुई है। वहीं हादसे में तोमन मेरावी और भानू प्रताप सिंह गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए थान खम्हरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। भाईदूज जैसे पारिवारिक और खुशियों के त्योहार के दिन हुए इस दर्दनाक हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है

रणवीर पुर चौकी प्रभारी सिकंदर कुर्रे ने बताया कि दो बाइक की आपस में भिड़ंत हो गई जिसमें चार लोग की मौके पर ही मौत हो गई है वहीं दो अन्य बुरी तरह जख्मी है। घायलों को थान खम्हरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, दुर्घटना के कारण का पता नहीं चल पाया है, पुलिस मामले की छानबीन कर रही है वहीं मृतकों की परिजनों से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है

गोवर्धन पूजा पर गौठान में गौ माताओं के लिए विशेष भोज का आयोजन

कमल खुंटे/जनता के गोठ

बिर्रा। अन्कूट गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर मंगलवार को ग्राम पंचायत बिर्रा द्वारा गौठान में गौ माताओं के लिए विशेष पूजा-अर्चना एवं भोज का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ की पारंपरिक संस्कृति और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गोवर्धन पूजा अन्नकूट के दिन गाय एवं बैलों की पूजा कर उन्हें पौष्टिक एवं पारंपरिक व्यंजन खिलाने की परंपरा रही है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए ग्राम पंचायत बिर्रा ने गौ माताओं के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था की। इस अवसर पर पंडित जितेंद्र तिवारी द्वारा विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गौमाताओं की विशेष पूजा-अर्चना की गई।



तत्पश्चात गौमाताओं को दाल, चावल, रोटी, सब्जी के साथ खीर, बड़ा एवं पूड़ी गुड़ चना सहित विभिन्न पारंपरिक व्यंजन प्रेमपूर्वक खिलाए गए। पूरे आयोजन में श्रद्धा, आस्था और सेवा भाव का विशेष माहौल देखने को मिला। आचार्य पं जितेन्द्र तिवारी ने कहा कि गोवर्धन पूजा का पर्व हमें प्रकृति, पशुधन और गौमाता के प्रति सम्मान एवं संरक्षण का संदेश देता है। कृषि प्रधान छत्तीसगढ़ में गाय और बैलों का विशेष महत्व है। ऐसे आयोजनों से हमारी पारंपरिक संस्कृति एवं धार्मिक मान्यताओं को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ पशुओं के प्रति सेवा और संवेदनशीलता की भावना भी मजबूत होती है। इस अवसर पर जनपद सदस्य रितेश रमण सिंह, सरपंच पीली बाई एकादशिया साहू, एकांश पटेल पंच, बलराम कश्यप, बुन्दराम यादव, धनसाय कश्यप, राहुल कश्यप, हेमंत साहू, छतबाई कर्ष, परमेश्वरी देवांगन, रोहित पटेल (सचिव), भोला राम देवांगन, गोपाल कश्यप, कमला प्रसाद कटकवार, राधेश्याम केशरवानी, लक्ष्मी आदित्य, दिलीप महंत, नीलांबर सिंह, ज्ञानचंद देवांगन, सुरेश चंद्रा, अरुण साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन की मांग लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे बस्तर के शिक्षक, संविलियन पूर्व सेवा जोड़ने की मांग

राज्य शासन की नीति पर सवाल, अभ्यावेदन खारिज होने के बाद शिक्षकों ने दायर की विशेष अनुमति याचिका

ओमप्रकाश रजक/ जनता के गोठ

जगदलपुर। नियुक्ति तिथि से पुरानी पेंशन (ह्वक्र) का लाभ देने की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ के शिक्षकों की लड़ाई अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। शिक्षाकर्मी के रूप में वर्षों तक निरंतर सेवा देने वाले शिक्षकों ने संविलियन से पहले की सेवा को पेंशन की अर्हता सेवा में शामिल करने की मांग उठाई है।

शिक्षकों का कहना है कि 1 जुलाई 2018 को हुए संविलियन से पहले उनके द्वारा दी गई नियमित और निरंतर सेवाओं की गणना पेंशन के लिए की जानी चाहिए। इस मामले में बिलासपुर हाईकोर्ट ने अपने पूर्व आदेश में कहा था कि पेंशन कोई खैरात नहीं, बल्कि कल्याणकारी उपाय और स्थगित वेतन है। कोर्ट ने शासन को 120 दिनों के भीतर विचार कर कारणयुक्त आदेश जारी करने के निर्देश दिए थे।



शिक्षकों का आरोप है कि राज्य शासन ने नई नीति बनाने के बजाय पुराने आदेश के आधार पर अभ्यावेदन खारिज कर दिए। इसके बाद शिक्षकों ने शासन के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (स्क्क) दायर की है।

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष संजय शर्मा, बस्तर संभाग अध्यक्ष प्रवीण श्रीवास्तव एवं बस्तर जिलाध्यक्ष डॉ. लुदरसन कश्यप ने नई दिल्ली पहुंचकर अधिवक्ता से चर्चा की और याचिका दायर की।

याचिका में तर्क दिया गया है कि केवल संविलियन तिथि से सेवा गणना होने पर शिक्षकों को न्यूनतम 10 वर्ष की पेंशन अर्हता पूरी करने के लिए 2028 तक इंतजार करना पड़ेगा, जबकि वे इससे पहले ही एक दशक से अधिक समय तक शिक्षा विभाग में सेवा दे चुके हैं। शिक्षकों ने पूर्व सेवा को पेंशन में शामिल करने की मांग की है।

सोनपुर में दीपावली मिलन एवं पथसंचलन का आयोजन, पंच परिवर्तन के संदेश से सामाजिक एकता का आह्वान

जनता के गोठ
संदीप मिश्रा पाटन

पाटन,,, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के केसरा मंडल द्वारा ग्राम सोनपुर में दीपावली मिलन एवं पथसंचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रांत प्रचारक अभयराम कुम्भकार मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए।

इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने अनुशासन, संगठन और सामाजिक समरसता का परिचय देते हुए पथसंचलन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता अभयराम कुम्भकार ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत का इतिहास हमें यह सीख देता है कि जब समाज में आपसी एकता, संगठन और सामाजिक सद्भाव का अभाव होता है, तब बाहरी शक्तियां इसका लाभ उठाती हैं। देश को लंबे समय तक गुलामी का सामना करना पड़ा, इसके पीछे सामाजिक एकता की कमी भी एक





महत्वपूर्ण कारण रही। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की मजबूती के लिए समाज का संगठित, जागरूक और एकजुट होना आवश्यक है।

उन्होंने वर्तमान समय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा बताए गए पंच परिवर्तन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसमें स्वदेशी, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव और कुटुम्ब प्रबोधन को प्रमुख आधार बताया। उन्होंने कहा कि इन पांच विषयों को प्रत्येक परिवार और समाज के जीवन में अपनाने की आवश्यकता है। स्वदेशी के माध्यम से देश में निर्मित वस्तुओं को प्राथमिकता देना, नागरिक कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करना, पर्यावरण की रक्षा करना, समाज में जाति-पंथ से ऊपर उठकर सद्भाव बनाए रखना तथा परिवार में संस्कार और अच्छे विचारों का प्रसार करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण केवल शासन या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भूमिका होनी चाहिए। जब परिवार संस्कारित होंगे, समाज में आपसी विश्वास और सहयोग बढ़ेगा तथा नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होंगे, तभी एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव होगा।

दीपावली मिलन के अवसर पर स्वयंसेवकों ने आपसी आत्मीयता और भाईचारे के साथ पर्व की शुभकामनाएं साझा कीं। इसके पश्चात आयोजित पथसंचलन में स्वयंसेवकों ने अनुशासित ढंग से कदमताल करते हुए संगठन और सामूहिक एकजुटता का संदेश दिया।

कार्यक्रम में पाटन खण्ड सहसंघचालक लीलाधर वर्मा, जिला कार्यवाह सुनील पटेल, खण्ड कार्यवाह थनेन्द्र कुम्भकार सहित वरिष्ठ स्वयंसेवक रामूराम चक्रधर, रतन चक्रधर, चेलाराम साहू, राजेन्द्र साहू, डॉ. संतराम कुम्भकार, ईश्वरी कुम्भकार, पुष्कर कुम्भकार, महेंद्र कुम्भकार, शेखर चक्रधारी, गौकरण चक्रधारी, कृष्णा निषाद,उमेश कुम्भकार, भुनेश चक्रधर, हेमलाल साहू, प्रतीक चक्रधर, प्रणव शर्मा सहित केसरा मंडल के समस्त स्वयंसेवक बंधु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य दीपावली के पर्व के माध्यम से सामाजिक आत्मीयता बढ़ाने, संगठन की भावना को मजबूत करने और पंच परिवर्तन के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश देना रहा।

दो से तीन माह पुरानी रंजिश बनी हत्या की वजह, भीतरकोना जंगल में गड्ढे के नीचे मिला था महिला का खून से लथपथ शव

गोवर्धन पूजा की रात जंगल में महिला की पत्थर से कुचलकर हत्या, ममेरे भाई पर लगा आरोप; पुलिस ने किया गिरफ्तार

बलरामपुर (जनता के गोठ) : बलरामपुर जिले के चांदो थाना क्षेत्र में गोवर्धन पूजा की रात एक महिला की निर्मम हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मुड़कमपाट (चंचलचुवों) निवासी 46 वर्षीय पलंगी नगेशिया की हत्या सिर पर पत्थर से वार कर की गई थी। मामले में पुलिस ने मृतिका के ममेरे भाई मदन नगेशिया (47 वर्ष) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस के अनुसार, घटना का खुलासा तब हुआ जब गांव के किशुन नगेशिया को अशोक नगेशिया ने फोन कर भीतरकोना जंगल पहुंचने की सूचना दी। मौके पर पहुंचने पर किशुन ने अपनी सास पलंगी नगेशिया का शव पेड़



के झुरमुट के नीचे गड्ढे में पड़ा देखा। महिला के सिर और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान थे तथा शव खून से लथपथ था। इसके बाद चांदो थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

मामले में पुलिस ने मर्ग क्रमांक 37/2026 दर्ज कर अपराध क्रमांक 42/2026 धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत हत्या का अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू की। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण, शव पंचनामा और वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य संकलन किया। प्रारंभिक जांच और गवाहों के बयान में हत्या के पीछे पुरानी पारिवारिक रंजिश सामने आई।

पुलिस के मुताबिक, करीब दो से तीन माह पहले आरोपी मदन नगेशिया के छोटे बेटे और मृतिका की नतनीन के बीच बच्चों का विवाद हुआ था। इसी बात को लेकर मदन और पलंगी के बीच कहासुनी, गाली-गलौज और विवाद हुआ था। तभी से आरोपी के मन में मृतिका के प्रति नाराजगी थी। आरोप है कि गोवर्धन पूजा के दिन हंडिया पीने के बाद आरोपी पलंगी को रात में जंगल की ओर ले गया और वहां पत्थर से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी।

पुलिस ने मामले में पर्याप्त साक्ष्य मिलने का दावा करते हुए आरोपी मदन नगेशिया को गिरफ्तार कर विधिवत न्यायालय में पेश किया है।

कार्रवाई में इनकी रही भूमिका :

ना प्रभारी निरीक्षक मनीष नेताम, सहायक उपनिरीक्षक राजकुमार यादव, आरक्षक संदीप एवं महिला आरक्षक मित्रविंदा की अहम भूमिका रही।

वरिष्ठ अधिवक्ता एवं आरण्यक ब्राह्मण समाज के पूर्व अध्यक्ष के.पी. पाणिग्राही का निधन, क्षेत्र में शोक

डाक विभाग में पोस्ट मास्टर के रूप में दी सेवाएं, सेवानिवृत्ति के बाद बने सफल अधिवक्ता



जनता के गोठ जगदलपुर।** विजय वार्ड, डोकरीघाट पारा निवासी एवं आरण्यक ब्राह्मण समाज के पूर्व अध्यक्ष तथा वरिष्ठ अधिवक्ता श्री के.पी. पाणिग्राही का चिकित्सा के दौरान 7 नवंबर को आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से आरण्यक ब्राह्मण समाज, डाक विभाग और अधिवक्ता संघ सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।

स्वर्गीय पाणिग्राही ने अपने सेवाकाल में डाक विभाग में पोस्ट मास्टर के पद पर रहते हुए लंबे समय तक निष्ठापूर्वक सेवाएं दीं। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने वकालत के क्षेत्र में कदम रखा और एक अनुभवी एवं सफल अधिवक्ता के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। शासकीय एवं अन्य कानूनी मामलों की गहरी समझ रखने वाले पाणिग्राही ने अनेक पीड़ितों को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वे बहुमुखी प्रतिभा और उच्च शैक्षणिक योग्यता के धनी थे। हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत एवं उड़िया भाषाओं पर उनकी अच्छी पकड़ थी। उन्होंने हिंदी साहित्य, विशारद तथा गीतारत्न-साहित्य रत्न में स्नातकोत्तर उपाधियां भी प्राप्त की थीं। अपनी विद्वता के साथ वे सरल, सहज और मिलनसार व्यक्तित्व के लिए भी जाने जाते थे।

उनके निधन को सामाजिक, प्रशासनिक और विधि जगत के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।

पारिवारिक जानकारी के अनुसार उनका दशगात्र कार्यक्रम 19 नवंबर 2026 को संपन्न होगा

शोक संतप्त परिवार में पुत्र ललित कुमार पाणिग्राही, यशपाल पाणिग्राही, अनुज सत्य नारायण पाणिग्राही सहित समस्त पाणिग्राही परिवार शामिल हैं।

दीपावली की रात सरगंवा में अंधविश्वास का खूनी तांडव! टोनही के शक में 63 वर्षीय विधवा की हत्या, चार संदिग्ध हिरासत में

बलरामपुर (जनता के गोठ) : दीपावली की खुशियों के बीच बलरामपुर जिले के पस्ता थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सरगंवा में अंधविश्वास ने खूनी रूप ले लिया। यहां 63 वर्षीय विधवा महिला को टोनही बताकर उसकी बेरहमी से हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने पहले महिला को शराब पिलाई और इसके बाद दो आरोपियों ने कथित तौर पर हथौड़े से उसके सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिया, जिससे महिला की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला को टोनही बताकर इस वारदात को अंजाम दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पस्ता थाना पुलिस



तत्काल मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वायड की टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया, जहां पुलिस ने साक्ष्य जुटाते हुए जांच शुरू की। पुलिस ने इस मामले में चार संदिग्ध आरोपियों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

दीपावली की रात अंधविश्वास के नाम पर एक बुजुर्ग विधवा की हत्या ने समाज को झकझोर कर रख दिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। हत्या के पीछे की वास्तविक वजह और आरोपियों की भूमिका का खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।

गांव-गांव और घर-घर पहुंचेगा कांग्रेस का 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान

छोटे देवड़ा में देवड़ा एवं कचनार मंडल की संयुक्त बैठक, बूथ स्तर पर जनसंपर्क की बनी रणनीति

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

जगदलपुर /कांग्रेस पार्टी द्वारा संचालित 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान को अब बूथ स्तर तक पहुंचाने की तैयारी तेज हो गई है। इसी कड़ी में बुधवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बकावंड के अंतर्गत छोटे देवड़ा स्थित स्टेडियम में देवड़ा एवं कचनार मंडल की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवराम बिसाई ने की।



बैठक में अभियान को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। ब्लॉक अध्यक्ष शिवराम बिसाई ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन में छोटे देवड़ा एवं कचनार मंडल के सभी गांवों में यह अभियान बूथ स्तर पर संचालित किया जाएगा। इसके तहत बूथ स्तर के कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर आम लोगों को अभियान से जोड़ेंगे और लोकतंत्र एवं मताधिकार के महत्व के प्रति जागरूक करेंगे।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के उद्देश्य से शुरू किए गए इस अभियान को समाज के विभिन्न वर्गों का समर्थन मिल रहा है। उन्होंने केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी से आम जनता परेशान है। साथ ही चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर भी लोगों में नाराजगी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के लिए सभी वर्गों को साथ लेकर अभियान को मजबूती से आगे बढ़ाएं। बैठक में देवड़ा एवं कचनार मंडल के पदाधिकारी, सेक्टर प्रभारी तथा बूथ स्तर के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ग्राम मांढर में विधायक अनुज शर्मा ने की गोवर्धन गौ पूजा; क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

ग्राम मांढर

आज गोवर्धन पूजा के पावन पर्व पर ग्राम मांढर में गोवर्धन पूजा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा ने समस्त ग्रामवासियों के साथ सम्मिलित होकर भगवान गोवर्धन नाथ एवं गौ-माता की पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्र की निरंतर उन्नति, सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की ईश्वर से प्रार्थना की। कार्यक्रम में विधायक अनुज शर्मा के आगमन पर ग्रामवासियों ने उनका पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया। ग्रामीणों द्वारा तिलक लगाकर, साफा पहनाकर एवं पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया। इस दौरान पूरा गांव भक्तिमय माहौल और लोक-संस्कृति के रंगों में रंगा नजर आया। सनातन परंपरा और पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक है



गोवर्धन पूजाः अनुज शर्मा पूजा-अर्चना के उपरांत उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने सभी को गोवर्धन पूजा और दीपावली महापर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा केवल एक पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी समृद्ध सनातन परंपरा, पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का प्रतीक है। भगवान श्री कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर हमें यह संदेश दिया था कि हमारी जीवनदायिनी प्रकृति, पर्वत, नदियाँ और गौ-धन ही हमारी असली संपदा हैं। गौ-माता हमारे समाज की रीढ़ हैं। गौ-सेवा से बढ़कर कोई पुनित कार्य नहीं है। आज के इस शुभ अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि हम अपनी संस्कृति, अपनी मिट्टी और अपनी गौ-माता की रक्षा व सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

मैं भगवान गोवर्धन नाथ जी से प्रार्थना करता हूँ कि ग्राम मांढर के हर घर में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य का वास हो। हमारे किसान भाइयों के खेत सदा हरे-भरे रहें और हमारा गांव प्रगति और खुशहाली के नए आयाम छुए। आपके सुख-दुख में आपका यह भाई, आपका यह सेवक सदैव आपके साथ खड़ा रहेगा।जिस आत्मीयता, अपार स्नेह और पारंपरिक रूप से आप सभी ने मेरा भव्य स्वागत किया है, उसके लिए मैं मांढर के एक-एक ग्रामवासी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

गांव की विकास योजनाओं पर चर्चा- पूजा कार्यक्रम के पश्चात विधायक अनुज शर्मा ने ग्रामवासियों के साथ बैठक कर गांव के विकास कार्यों और जनसमस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने ग्रामीणों को विश्वास दिलाया कि ग्राम मांढर के सर्वांगीण विकास, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और स्थानीय समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए वे सदैव प्रतिबद्ध हैं।

बड़ी संख्या में उपस्थित रहे ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि- इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, हनुमंत आडिल, सन्नीं साहू, शिवेंद्र साहू, सहित गांव के वरिष्ठ नागरिक, यादव समाज के युवा, महिलाएं, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर भगवान गोवर्धन नाथ को अन्नकूट का प्रसाद अर्पित किया और एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं।

मातर तिहार हमारी संस्कृति, परंपरा और गौसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक - मंत्री श्री गजेन्द्र यादव

मातर तिहार पर मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने किया विधिवत गौ पूजन, प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना



रायपुर, 11 नवम्बर 2026- मातर तिहार के अवसर पर आज प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी कार्य मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने विधि-विधान के साथ गौमाता का पूजन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर समाजजनों की उपस्थिति में उन्होंने पारंपरिक दोहा गाकर गौमाता को सोहाई बांधी और विधिवत पूजा-अर्चना की।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि मातर तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, आस्था और परंपराओं से जुड़ा विशिष्ट पर्व है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों, सामाजिक एकजुटता और गौवंश के प्रति सम्मान एवं सेवा का भाव सिखाता है। यादव समाज की परंपरा में गौसेवा और गौपालन का विशेष महत्व रहा है। गौमाता हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि संस्कृति और जनजीवन का अभिन्न अंग हैं। उनकी सेवा और संरक्षण हमारी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि यादव समाज में मातर तिहार केवल उत्सव नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक पहचान, पूर्वजों की परंपराओं और गौवंश के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। इस पर्व पर पारंपरिक दोहे गाकर सोहाई बांधने और सामूहिक रूप से गौपूजन करने की परंपरा हमारी लोकसंस्कृति की जीवंतता को दर्शाती है।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, लोकपरंपराओं और गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों को भी इन परंपराओं से जोड़ना चाहिए, ताकि हमारी संस्कृति और सामाजिक मूल्य निरंतर आगे बढ़ते रहें।

बकावंड के एकमात्र स्वास्थ्य केंद्र में एंबुलेंस नहीं, मरीजों को हो रही परेशानी

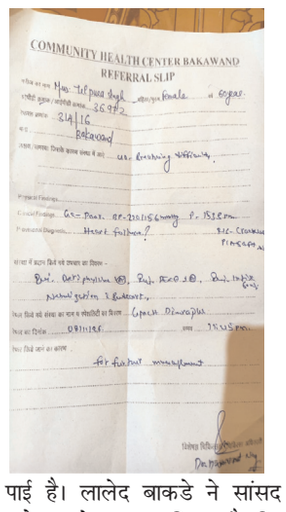
93 ग्राम पंचायतों वाले ब्लॉक में एंबुलेंस सुविधा का अभाव, गंभीर मरीज को रातभर करना पड़ा इंतजार; सुबह ऑटो से जगदलपुर ले जाना पड़ा

भुजबल बघेल

बकावंड जनता के गोठ।बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। 93 ग्राम पंचायतों वाले बकावंड ब्लॉक के स्वास्थ्य केंद्र में एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध नहीं होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जनपद सदस्य लालेद बाकडे ने इस समस्या को लेकर शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया है।

जनपद सदस्य लालेद बाकडे ने बताया कि हाल ही में रात के समय एक मरीज की तबीयत गंभीर हो गई थी। स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर द्वारा मरीज को बेहतर उपचार के लिए जगदलपुर रेफर किया गया, लेकिन





एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीज को तत्काल जगदलपुर नहीं ले जाया जा सका। मजबूरी में परिजनों को सुबह तक इंतजार करना पड़ा और बाद में ऑटो किराये पर लेकर मरीज को जगदलपुर पहुंचाना पड़ा।

उन्होंने बताया कि बकावंड ब्लॉक में एंबुलेंस की आवश्यकता को लेकर भाजपा सांसद महेश कश्यप को पहले भी अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक इस दिशा में सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाई है। लालेद बाकडे ने सांसद महोदय से आग्रह किया है कि बकावंड स्वास्थ्य केंद्र में जल्द से जल्द एंबुलेंस की व्यवस्था कराई जाए, ताकि आपातकालीन स्थिति में मरीजों को समय पर बेहतर उपचार के लिए बड़े अस्पताल पहुंचाया जा सके। एंबुलेंस की सुविधा नहीं होने से विशेषकर गरीब और जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट हों कांग्रेसजन, वोट बचाओ देश बचाओ जन चौपाल में लखेश्वर बघेल का हुंकार

बड़े जीराखाल में गारेंगा एवं छिंदगांव मंडल की बैठक आयोजित, मतदाता सूची की पारदर्शिता और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा का उठाया मुद्दा

भुजबल बघेल

बकावंड जनता के गोठ।बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड अंतर्गत बुधवार को बड़े जीराखाल स्थित सामुदायिक भवन में कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी 'वोट बचाओ॒देश बचाओ' अभियान के तहत गारेंगा एवं छिंदगांव मंडल के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक एवं जन चौपाल आयोजित की गई। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष एवं बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल तथा बस्तर ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

इस दौरान विधायक लखेश्वर बघेल ने कहा कि लोकतंत्र, संविधान और आम जनता के मताधिकार की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर चुनाव आयोग के दुरुपयोग और लोकतांत्रिक संस्थाओं को प्रभावित करने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि देश में वोट चोरी, सीट चोरी, पार्टी चोरी और सरकार



चोरी जैसे गंभीर मुद्दे लोकतंत्र के सामने चुनौती बनकर खड़े हैं।

उन्होंने मांग की कि मतदाता सूची का डेटा गांव-गांव और बूथ स्तर पर सार्वजनिक किया जाए, ताकि जिन मतदाताओं के नाम सूची से काटे गए हैं, उन्हें समय रहते जानकारी मिल सके और वे नियमानुसार अपील कर सकें। चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता होनी चाहिए तथा किसी भी नागरिक को उसके संवैधानिक मताधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

भाजपा सरकार के तीन वर्ष के कार्यकाल पर सवाल उठाते हुए बघेल ने कहा कि प्रदेश में किसानों, युवाओं, महिलाओं और आम नागरिकों की समस्याएं बनी हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आम जनता के हितों की अपेक्षा उद्योगपतियों के हितों को प्राथमिकता दे रही है। जनता ने जिस विश्वास के साथ सरकार चुनी थी, उस पर सरकार खरी नहीं उतर पा रही है।

उन्होंने भाजपा के 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जब केंद्र और राज्य दोनों जगह भाजपा की सरकार है, तो उसे स्पष्ट करना चाहिए कि लोकतंत्र को खतरा किससे है। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता के वास्तविक मुद्दों और अपने कामकाज का जवाब देना चाहिए।

विधायक बघेल ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से गांव-गांव, घर-घर और बूथ-बूथ पहुंचकर 'वोट बचाओ॒देश बचाओ' अभियान के तहत लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की जांच, वोट के अधिकार और चुनावी पारदर्शिता के विषय में आम नागरिकों को जानकारी देना जरूरी है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जनता का वोट है और इसकी रक्षा के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करना चाहिए।

कार्यक्रम के समापन पर पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एवं करपावंड निवासी राजू राम देवांगन तथा फरसीगांव निवासी वरिष्ठ कांग्रेस नेता स्वर्गीय फूलसाय बघेल के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। उपस्थित कांग्रेसजनों ने दोनों दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन धारण किया और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इस अवसर पर बस्तर ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला, उपाध्यक्ष उत्तम नाईक, महामंत्री मानसिंह कवासी, वीरेंद्र गुप्ता, ब्लॉक अध्यक्ष सोनाधर बघेल, विधायक प्रतिनिधि गोपाल कश्यप, आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष धनुर्जय कश्यप, मंडल अध्यक्ष डोमुराम एवं घनश्याम नाग, सरपंच डोमुराम, कुलधर, भोलेश्वर, टेम्पल,उधेव, लखेश्वर कश्यप,राजेश, कुमार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं मंडल पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

सैटेलाइट इंटरनेट की राह में मंजूरी की बाधा, कब दूर होगी नीतिगत असंगति?

भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाओं को मंजूरी पर हाल ही में विभिन्न पक्षों के बीच हुई खुलेआम तकरार एक व्यवस्थागत समस्या की ओर इशारा करती है। इस विवाद की शुरुआत टेक्सस की कंपनी स्पेसएक्स और टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ईलॉन मस्क के बयान से हुई। उन्होंने भारत में अपने संभावित प्रतिद्वंद्वियों पर निशाना साधते हुए उन्हें 'एकाधिकारवादी कारोबारी' कहा और प्रतिस्पर्द्धा को दबाने का आरोप लगाया।

मस्क ने विशेष रूप से संकेत दिया कि स्टारलिंक को सुरक्षा मंजूरी में देरी कराने में रिलायंस इंडस्ट्रीज की भूमिका हो सकती है। स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी है, जिसे स्पेसएक्स चलाती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह प्रतिस्पर्द्धा का स्वागत करती है। कंपनी ने यह भी कहा कि उसकी अपनी सेवा जियो सैटेलाइट कम्युनिकेशंस भी सुरक्षा मंजूरी का इंतजार कर रही है।

भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल भी इस जुबानी जंग में शामिल हो गए और कहा कि भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवा शुरू करने के लिए उनकी कंपनी सबसे लंबे समय से कतार में है। केंद्र सरकार की ओर से संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पलटवार करते हुए कहा कि भारत किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार नहीं होने देता।

भारती एंटरप्राइजेज के समर्थन वाली यूटेलसैट वनवेब, स्टारलिंक और जियो सैटेलाइट में से हर किसी को भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवा चलाने का लाइसेंस मिल चुका है। लेकिन सरकार से सुरक्षा मंजूरी मिले बिना वे व्यावसायिक रूप से अपनी सेवाएं शुरू नहीं कर सकतीं। बताया जाता है कि यूटेलसैट वनवेब को ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट (जीएमपीसीएस) का लाइसेंस 2021 में ही मिल गया था।

जियो सैटेलाइट को 2022 में यह लाइसेंस मिला और स्टारलिंक को 2025 में यह लाइसेंस हासिल हुआ। जरूरी लाइसेंस मिलने के बाद भी यदि कंपनियां व्यावसायिक कामकाज शुरू नहीं कर सकतीं तो यह चिंता की और उन्हें कुंठा में डालने वाली बात है। लाइसेंस देने और फिर सुरक्षा मंजूरी के लिए वर्षों इंतजार कराने से पता चलता है कि नियामकीय व्यवस्था कितनी प्रतिकूल है। तब यह ज्यादा चिंताजनक है, जब सरकार सुधार की गति तेज करना, कारोबार को सुगम बनाना और विदेशी निवेश की आवक बढ़ाना चाहती हो। सैटेलाइट संचार के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए जरूरी है कि सरकारी विभाग और एजेंसियां अलग-अलग काम

नई परम्परा जिसकी भीड़ उसकी भैंस

(रघु ठाकुर)

इन दिनों समाचार पत्रों को पढ़ना एक पीड़ादायक काम हो गया है। शायद ही कोई दिन ऐसा जाता है कि प्रदेश व देश में मुख्य पृष्ठ पर ऐसी घटनायें न छपती हों, जो मन को व्यथित और शासन प्रशासन की अक्षमता को सिद्ध न करती हो। अभी कुछ दिनों पूर्व आरटीओ के छोटे से सिपाही या कर्मचारी की कार से लाखों रुपये का सोना और नगदी पकड़ी गई। बाद में खबर यह आई कि उसके पास अपार संपदा है, उन्हें गिरफ्तार किया गया, परंतु वे जेल में उन सब सुविधाओं के साथ रहेंगे जैसे वे कोई शासकीय मेहमान हों। इस प्रकार भ्रष्टाचार से कमाये करोड़ों रुपये की संपत्ति के जब्त होने की खबरें आये दिन मीडिया में पढ़ने और सुनने को मिल जाती है। भ्रष्टाचार के खिलाफ समाज इतना सहनशील और सहभागी बन चुका है कि ये खबरें किसी को उत्तेजित नहीं करती, बल्कि ऐसा लगता है कि अब भारी भ्रष्टाचार के समाचार लोगों को अपवाद छोड़कर उत्साहित और प्रेरित करते है। न केवल मप्र में बल्कि देश में सड़कों की स्थिति के पीछे भ्रष्टाचार की कहानी नजर आती है। यहां तक कि बड़े-बड़े नेशनल हाईवे जो खरबों रुपये से बने हैं, उनके बनने के कुछ ही माह में वे उखड़ गये। दिल्ली से उत्तराखंड जाने वाले राजमार्ग में तो पहली ही बारिश में बड़े-बड़े गडढे हो गये। क्या उखड़ते राजमार्ग भ्रष्टाचार की कहानी नहीं कहते? पिछले वर्षों में देश में अनेकों पुलों के गिरने के समाचार आये, जो अरबों रुपयों से बने थे और बनने के कुछ ही समय बाद गिर गये या बह गये तो देश में भ्रष्टाचार की असलियत सामने आयेगी।

6 अक्टूबर 2026 के भास्कर अखबार में खबर छपी है कि राजधानी के पास बच्चियों के स्कूल में टॉयलेट नहीं है, जबकि कई करोड़ रुपया स्वीकृति हो गया है। ग्वालियर में कुत्तों के परिवार नियोजन के नाम पर पैसा निकाल लिया गया। उनके ऑपरेशन के नाम पर जिन पशु चिकित्सकों का नाम दिया गया था वे न वहां पदस्थ थे, न उन्होंने एक भी कुत्ते का नियोजन किया था। परंतु ये सब भ्रष्टाचार की खबरें लोगों के मनों को नहीं हिलाती। ऐसा लगने लगा है कि लगभग हर व्यक्ति भ्रष्टाचार की तलाश में है और नये-नये मार्ग खोज रहा है।

अपराधों की स्थिति भी ऐसी है कि प्रतिदिन देश के हर कोने में हत्या, डकैती, बलात्कार की खबरें छपती हैं। दो चार दिन मीडिया में यह खबरें रहती हैं, तब तक कोई नई घटना घट जाती है तो पुरानी घटना लोग भूल जाते हैं। मप्र के धार में एक पटाखा फैक्ट्री जो घर के अंदर चल रही थी, विस्फोट हुआ, मजदूर मारे गये। फैक्ट्री को चलाने वाले सत्तापक्ष के नेता थे और इसलिये कुछ दिनों बाद सब शांत हो गया। ऐसी ही घटना उसके बाद हरदा में हुई तथा भोपाल-इंदौर मार्ग पर हुई परंतु भ्रष्टाचार का पेट सुरक्षा के मुख से भी बड़ा है, जो हर अपराध को निगल लेता और पचा लेता है। कितने ही स्कूलों की छतें गिरती हैं, छोटे-छोटे बच्चे दबकर मर जाते हैं। कुछ दिन राजनैतिक विलाप चलता है। सत्ता पक्ष कमेटी या आयोग गठित कर देता है। सख्त कार्यवाही की जायेगी, किसी को बख्शा नहीं जायेगा, ऐसे जुमलों के साथ समय निकल जाता है। प्रतिपक्ष के नेता घटनास्थल पर जाने की तीर्थ यात्रा करते हैं। मृतकों या परिजनों के साथ फोटो खिंचवाते हैं और एक जुमला कहकर कि हम और हमारी पार्टी पीड़ितों के साथ है, अपनी इतिश्री मान लेते हैं। अगर इस पर कोई शोध हो कि देशभर में आजादी के बाद से कितनी ऐसी घटना घटित हुई और है जो कमेटियां बनाई गई है, उनकी रपट, उनकी सिफारिशें आज कहां दबी है, कितने अपराधी गिरफ्तार हुये हैं, तो इससे भयावह त्रासदी की असलियत को जाना जा सकता है।

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली की सड़कों पर और सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये, परंतु स्थिति जस की तस है। सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक और सार्वजनिक स्थानों पर ध्वनि की सीमा बांधने का उपदेश दिया, इसके बावजूद स्पीकरों की आवाज और बढ़ गयी। सुप्रीम कोर्ट ने दीपावली के दिन पटाखों पर रोक लगाई, अन्य वर्षों की तुलना में अधिक पटाखे चले। पिछले दिनों रहवासी इलाकों में यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने वाले रहवासियों ने दस्तावेज पेश किये परंतु सुप्रीम कोर्ट मौन रहा।

देश के न्याय पालिका की भूमिका ऐसा लगता है कि सरकार को बचाने और आम लोगों में एक झूठा विश्वास जगाने का जरिया बन गई। जब कोई बड़ी घटना घटती है जो मीडिया में चर्चित होती है तो उसके बाद कोई न्यायपालिका में याचिका दायर हो जाती है। कभी न्यायपालिका संज्ञान लेती है। कुछ माह सुनवाई होती है। उनकी गैर हाजिरी पर नोटिस वारंट जारी होते हैं, उन्हें कुछ कहकर यथावत बहाल कर दिया जाता है और फैसले के नाम पर लंबी चौड़ी गाइडलाइन जारी की जाती है। जिसके बाद शायद ही कोई अफसर उसे पढ़ता हो, वकील पढ़ते हो, पत्रकार पढ़ते हो और जनता भी कभी याद नहीं करती। गाइडलाइन भविष्य के लिये बनती है और घटना के अपराधी छूट जाते हैं। न्यायपालिका की इन गाइडलाइनों पर शायद ही कभी कोई अमल हुआ हो। इतना अवश्य होता है कि जब फिर कोई वैसी ही दूसरी घटना घटती है, तो न्यायपालिका को याद आती है। नौकरशाही उस गाइडलाइन की चर्चा करने लगती है।

बड़े-बड़े मगरमच्छ जो समूची व्यवस्था को निगल रहे हैं, दोष मुक्त हो जाते हैं और तंत्र की कोई छोटी मोटी मछली को गुनाहगार बताकर कुछ दंड या चेतावनी देकर कथा समाप्त हो जाती है। एक महत्वपूर्ण सवाल है कि न्यायपालिका, गाइडलाइन, आयोग, कमेटी या फिर मीडिया के माध्यम से मीडिया में छपने वाली टिप्पणियां क्यों करती है, क्या न्यायपालिका नहीं जानती कि टिप्पणियों का कोई वैधानिक अर्थ नहीं है। जो अधिकारी सरकार के इशारे पर अपराध करते हैं और कराते हैं वे सरकार की नैय्या के खेबनहार और आँख के बाल बन जाते हैं। अपराध करने और कराने के लिये और फिर सरकार और तंत्र को बचाने के लिये उन्हें पदोन्नति मिलती है मलाईदार पद स्थान मिलता है। सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें पुनः नियुक्ति मिलती है, उनके बच्चों को बड़े-बड़े स्थान मिलते हैं। अब तो हालात यह है कि सर्वोच्च न्यायालय के एक पद पाने के लिये न्यायिक और न्याय संस्था के दायित्व के सम्मान को भुलाकर सत्ता पक्ष के बचाव के लिये वह कवच बन जाते हैं।

कितनी ही बड़ी घटना हो, प्रशासनिक असफलता हो, अब उसका दायित्व और जिम्मेदारी कोई नहीं लेता। आजादी के बाद दो तीन दशकों तक कम से कम इतनी शर्म तो थी कि केन्द्रीय मंत्री अपनी असफलता के लिये जिम्मेदारी स्वीकार करते थे और अपने मंत्री पद से त्याग पत्र दे देते थे, हालांकि यह त्याग पत्र देने की परंपरा एक प्रकार से नाटकीय राजनीति है । एक रेल दुर्घटना को लेकर स्व. लालबहादुर शास्त्री ने रेलमंत्री पद से इस्तीफा दिया था, वीपी सिंह ने उप्र के मुख्यमंत्री रहते डाकूओं के द्वारा उनके भाई की हत्या के बाद यह कहकर इस्तीफा दिया कि मैं अपना दायित्व पूरा नहीं कर सका, परंतु कुछ दिन बाद स्व. लालबहादुर शास्त्री, प्रधानमंत्री बने और वीपी सिंह केंद्रीय मंत्री और फिर प्रधानमंत्री बने। अब यह प्रश्न तो उठता ही है कि यह कैसी नैतिकता है। आपने मंत्री पद से इस्तीफा दिया तो आपका प्रधानमंत्री बनना कैसे उचित सिद्ध होगा? परंतु भारत का मीडिया तो और भी महान है, उन्होंने स्व. शास्त्री जी और वीपी सिंह के इस्तीफा देने की नैतिकता को आदर्श बताकर प्रचारित किया। परंतु छोटे पद की असफलता के बाद बड़े पद की योग्यता कैसे हासिल की जाती है, यह समझ के परे है। और अब यह नैतिक परंपरा तो पिछले लगभग चार पांच दशकों से समाप्त हो चुकी है। स्व. अटल जी के प्रधानमंत्री काल में संसद पर हमला हुआ था परंतु उन्होंने उस हमले को पद त्यागने का नैतिक आधार नहीं माना। श्री जॉर्ज फर्नांडीज रक्षामंत्री थे, उन पर आरोप लगे, उन्होंने इस्तीफा दिया था और रपट आने के पहले ही पुनः रक्षामंत्री बने गये। यानि नैतिकता को एक नये ढंग से परिभाषित कर दिया कि अगर रपट देर से आयेगी तो पुनः मंत्री बन सकते हैं। जिस प्रकार आजकल सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के बाद यह परंपरा बनी कि अगर 3 माह में अपराधी के खिलाफ जांच पूरी कर चालान पेश नहीं होता है तो उसे जमानत दे दी जायेगी। अगर एक निर्धारित अवधि के बाद किसी अधिकारी को चार्जशीट नहीं दी जाती है तो उसका निलंबन स्वयं समाप्त हो जायेगा। अब किसी मंत्री, राजनेता, अधिकारी को कोई सफाई नहीं देना है, बस केवल इतना ही प्रबंधन करना है कि जांच की रपट या चार्जशीट या चालान निलंबित हो जाये। और फिर बहाली के बाद कौन याद रखता है, कौन पूछता है।

संविधान की मूल भावना है उत्तरदायी व्यवस्था की उत्तरदायी शासन की जो जनता के प्रति उत्तरदायी हो, उत्तरदायी शासन जो संसद और विधानसभा के लिये उत्तरदायी हो। परंतु विधायिका न्यायपालिका ने आपको संवैधानिक उत्तरदायित्व से मुक्त कर लिया है, एक प्रकार की अराजकता की स्थिति बन चुकी है। अपराधों के लिये जाति आधार पर देखा जा रहा है। अगर एक अपराधी आदिवासी के ऊपर शराब पीकर पेशाब करता है, तो सरकार उसे अपराध कहती है और सारे देश की उसकी बिरादरी उसे जाति अन्याय बताती है। उसके मकान को बनाने देशभर से लोग समर्थन देने पहुंचते हैं। गरीब या अशिक्षित आदिवासी न तो प्रतिकार कर पाता है, न बोल पाता है। ऐसी कितनी ही जाति श्रेष्ठता की अपराधिक घटनायें देश में रोज घट रही हैं। बहुत सारी घटनाओं को स्थान अभाव की वजह से मैं नहीं लिख रहा हूँ, मैं उनमें लिप्त अपराधियों को दण्ड मिले ऐसा चाहता हूँ।

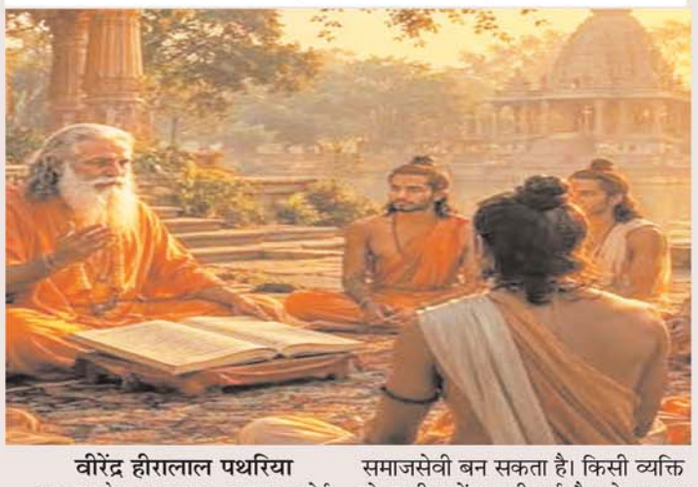
आमजन के मन में कानून के प्रति और उसे पालन करने के लिये कोई भाव नहीं बचा। अगर बलात्कार होता है तो उसे बचाने के बजाय मेरा बेटा अपराधी है, उसे दंड दिया जाये, यह कहने वाले कोई माता-पिता नहीं मिलते। सड़कों पर दिनदहाड़े वाहनों से लोग मार दिये जा रहे हैं न घर में सुरक्षा है, न सड़क पर, न अपराध से सुरक्षा है, न जानवर से। देश एक व्यवस्थाहीन अराजक हालात में तब्दील हो चुका है। मेरी राय में अब देश में उत्तरदायित्व का कानून बनना चाहिये।

1. जितने भी उच्च अधिकारियों व केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकारियों के लिये जो संवैधानिक सुरक्षा दी गयी, उसका उद्देश्य समाप्त हो चुका है। संविधान बनाते समय, सच्चाई से काम करने वाले अधिकारियों पर कोई झूठे आरोप न लगे, इनसे बचाने के लिये संविधान में सुरक्षा का प्रावधान किया गया था। यह सुरक्षा अपराधियों, अपराध और कर्तव्यहीनता को बचाने का माध्यम बन गयी है। इसलिये इसे समाप्त करना चाहिये।
2. हर अधिकारी को कामकाज करने के लिये वैधानिक अवधि और दायित्व कानून से निश्चित हो तथा उसमें चूक होने पर उन्हें बर्खास्त किया जाये। अधिकारियों और कर्मचारियों की चयन प्रक्रिया के समय ही कुल पदों का कुछ प्रतिशत पद चयन कर प्रतीक्षा सूची में रखे जाये ताकि आकस्मिक स्थिति होने पर उनसे काम लिया जा सके।
3. अब एक ऐसा समाज और व्यवस्था बन रही है कि उसमें भीड़ ही पुलिस है और भीड़ ही न्यायपालिका। अगर समूह है, भीड़ ज्यादा है तो सरकारें उसके समक्ष उनकी गलत बातें मानने को तैयार है। अगर भीड़ नहीं है तो सच बात भी मानने को तैयार नहीं है। इससे देश में एक भीड़ तंत्र की मानसिकता तैयार हो गयी है।

पहले कहा जाता था कि जिसकी (लाठी उसकी भैंस्य, अब कहावत है जिसकी भीड़-उसकी भैंस।) सरकारों और प्रशासन को अपनी इस परंपरा को बदलना चाहिये तथा सत्य को सुने, असत्य को नकारें, की पद्धति अपनानी चाहिये। मतदाताओं को भी विचार करना चाहिये कि बजाय छोटी-मोटी सुविधाओं पर वोट देने के न्याय आधारित शासन को वोट देना चाहिए। ऐसे प्रतिनिधि चुने जो निर्भय हो, निर्विवाद हो।

मैं अंत में देश को सावधान करना चाहूंगा कि जनमत ने अपने दायित्व को समझकर उसका निर्वहन नहीं किया तो देश का यह लोकतांत्रिक ढांचा भर-भराकर ढह जायेगा, और तानाशाही आयेगी।

कोई जन्म से महान नहीं होता, कर्म उसे महान बनाते हैं



वीरेंद्र हीरालाल पथरिया

मनुष्य के जन्म पर उसका कोई अधिकार नहीं होता। वह किस परिवार में जन्म लेगा, उसका सामाजिक परिवेश कैसा होगा और जीवन की शुरुआत किन परिस्थितियों में होगी, यह उसके हाथ में नहीं होता। लेकिन वह अपने जीवन को किस दिशा में ले जाएगा, अपने विचारों को कितना ऊँचा उठाएगा और अपने कर्मों से समाज को क्या देगा, यह बहुत हद तक उसके प्रयासों पर निर्भर करता है। शायद यही कारण है कि इतिहास में कुछ लोग अपने जन्म से नहीं, बल्कि अपने कर्मों से पहचाने जाते हैं। महर्षि वाल्मीकि का जीवन इसी विचार का एक प्रेरक उदाहरण है। महर्षि वाल्मीकि का स्मरण करते समय हमारे सामने केवल रामायण के रचयिता की छवि नहीं आती, बल्कि एक ऐसे व्यक्तित्व की छवि भी उभरती है, जो भारतीय परंपरा में आत्मपरिवर्तन, तपस्या और सृजन का प्रतीक बन गया। उनकी जीवनकथा से जुड़ी प्रचलित मान्यता में रत्नाकर के डाकू से महर्षि बनने का प्रसंग मिलता है। इस कथा का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि मनुष्य का अतीत चाहे जैसा रहा हो, उसके भीतर परिवर्तन की संभावना समाप्त नहीं होती। जब व्यक्ति अपने जीवन पर विचार करता है, अपनी गलतियों को पहचानता है और सही दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लेता है, तो उसका भविष्य बदल सकता है। आज के समाज में इस संदेश की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। हम अक्सर किसी व्यक्ति को उसके नाम, परिवार, जाति, आर्थिक स्थिति, पेशे या पुराने परिचय के आधार पर परख लेते हैं। किसी की गरीबी देखकर उसकी क्षमताओं को कम आँकते हैं, किसी की सामाजिक पृष्ठभूमि के कारण उसके गुणों को अनदेखा कर देते हैं और किसी की पुरानी गलती को उसकी स्थायी पहचान बना देते हैं। हम भूल जाते हैं कि मनुष्य केवल वह नहीं है, जो वह कल था; वह वह भी है, जो आज बनने का प्रयास कर रहा है।

किसी मजदूर के हाथों में मेहनत की लकीरें हैं, तो इसका अर्थ यह नहीं कि उसके सपने छोटे हैं। किसी गरीब परिवार में जन्म लेने वाला बच्चा भी बड़ा वैज्ञानिक, शिक्षक, साहित्यकार या समाजसेवी बन सकता है। किसी व्यक्ति से अतीत में गलती हुई है, तो इसका अर्थ यह नहीं कि उसे सुधरने का अवसर ही न दिया जाए। समाज यदि हर व्यक्ति को उसके अतीत के आधार पर ही निर्णय सुनाता रहेगा, तो परिवर्तन के रास्ते बंद हो जाएंगे। सुधार का अवसर देना कमजोरी नहीं, बल्कि एक संवेदनशील और सभ्य समाज की पहचान है।

महर्षि वाल्मीकि की साहित्यिक विरासत भी हमें यही समझने का अवसर देती है कि शब्द केवल मनोरंजन का साधन नहीं होते। वे समाज की सोच को दिशा दे सकते हैं, मनुष्य के भीतर करुणा जगा सकते हैं और जीवन के कठिन प्रश्नों पर विचार करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। रामायण के माध्यम से उन्होंने भारतीय साहित्य और संस्कृति को ऐसी विरासत दी, जिसका प्रभाव पीढ़ियों तक बना रहा। यह सृजन किसी व्यक्ति को उसकी सामाजिक पहचान से आगे ले जाकर उसके विचारों और योगदान की महत्ता को सामने रखता है। हालाँकि, कर्म की महानता का अर्थ केवल प्रसिद्धि प्राप्त करना या इतिहास में नाम दर्ज कराना नहीं है। हर व्यक्ति के पास महान कार्य करने का अवसर अपने तरीके से होता है। भूखे को भोजन देना, निराश व्यक्ति को हिम्मत देना, किसी जरूरतमंद बच्चे की शिक्षा में सहायता करना, अपने काम को ईमानदारी से करना और किसी कमजोर व्यक्ति के सम्मान की रक्षा करना भी ऐसे कर्म हैं, जो समाज को बेहतर बनाते हैं। महानता हमेशा मंचों और पुरस्कारों पर दिखाई नहीं देती; कई बार वह किसी अनजान व्यक्ति की निस्वार्थ सहायता में छिपी होती है।

महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाने का वास्तविक अर्थ केवल उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करना या उनके जीवन की प्रशंसा करना नहीं है। इसका अर्थ उनके जीवन से मिलने वाली प्रेरणा को अपने व्यवहार में उतारना भी है। यदि हम किसी व्यक्ति को उसके जन्म के कारण छोटा समझते हैं, उसकी गलतियों के कारण उसे हमेशा के लिए नकार देते हैं या किसी जरूरतमंद को आगे बढ़ने का अवसर नहीं देते, तो हमें अपने विचारों पर पुनर्विचार करना चाहिए।

सऊदी अरब में हूतियों के हमले और इस्लामिक नाटो की स्वार्थपूर्ण नीति

एमबीएस ने सोचा था कि सऊदी अरब को सिर्फ तेल से नहीं बल्कि टूरिज्म, मनोरंजन, नए शहरों और विदेशी निवेश से आगे बढ़ाएंगे। इसके लिए उन्होंने देश को सुरक्षित, आधुनिक और खुला दिखाने पर पूरा ज़ोर लगाया था। एयरपोर्ट्स को दुनिया से जोड़ने वाले गेटवे बनाया, बड़े सम्मेलन बुलाए, निवेशकों को बुलाया लेकिन अब रियाद और दम्माम जैसे एयरपोर्ट बार-बार निशाने पर आ रहे हैं, फ्लाइटें रद्द हो रही हैं, लोग डरे हुए हैं। जब राजधानी में मिसाइलें गिरें और विदेशियों की जान जाए तो निवेशक और टूरिस्ट कैसे आएंगे? वो चमक जो उन्होंने बनाई थी, अब धुंधली पड़ रही है।

रामस्वरूप रावतसरे

सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के ग्रह नक्षत्र ख़राब ही चल रहे हैं। इजरायल ने बुलाया अमेरिका को कि ईरान पर हमला करना है। जंग अमेरिका और ईरान की और क्रॉसफायर में आ गया सऊदी अरब, वो सऊदी अरब जिसके पास तेल की ताकत है। वो सऊदी अरब जो ट्रंप के भरोसे बैठा था कि उसकी रक्षा अमेरिका करेगा और जब लगा कि नहीं कर पा रहा तो तुर्की और पाकिस्तान को ले आया था इस्लामी नाटो जैसे समझौते के नीचे लेकिन यह नाटो भी कुछ काम नहीं आ रहा। यमन के हूती लड़ाकों ने नाकों चने चबवा रखे हैं और वो एक-एक करके प्रिंस के सारे सपने तोड़ते जा रहे हैं।

अब दम्माम के एयरपोर्ट पर हमला हो गया। पहले रियाद के एयरपोर्ट पर हमला हो गया था। उसके तेल के कुओं पर हमले हो रहे हैं। उसकी तेल की रिफाइनरियों पर हमले हो रहे हैं। उसकी तेल की पाइपलाइन पर हमला हो चुका है। पाकिस्तान, तुर्की, अमेरिका कह रहे है हम संभाल लेंगे, लेकिन संभाल कोई नहीं रहा। मोहम्मद बिन सलमान चोट पर चोट खाए जा रहा है। बहुत जतन किए थे प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अपनी ताकत मजबूत करने के लिए। 2015 में जब उनके पिता किंग सलमान राजा बने तो उन्हें रक्षा मंत्री बनाया गया। तब से उन्होंने धीरे-धीरे सत्ता अपने हाथ में ली। 2017 में उन्होंने अपने



चचेरे भाई मोहम्मद बिन नायेफ को हटाकर खुद को क्राउन प्रिंस बना लिया। उसी साल रिट्ज-कार्लटन होटल में बड़े-बड़े राजकुमारों और व्यापारियों को गिरफ्तार करके ऐंटी-करप्शन अभियान चलाया। इससे विरोधियों को साफ संदेश गया कि अब उन्हें कोई चुनौती नहीं दे सकता।

प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने तेल पर निर्भरता कम करने के लिए बड़े-बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए थे। नीओम नाम का दुनिया का सबसे आधुनिक शहर बनाने जा रहे थे। लाल सागर पर टूरिज्म प्रॉजेक्ट लॉन्च किए ताकि टूरिज्म सिर्फ हज और उमराह वाला ही ना हो। सिनेमाघर खोले, कॉन्सर्ट शुरू किए, महिलाओं को गाड़ी चलाने की इजाजत दी और वहां की धार्मिक पुलिस की सख़्ती कम की। जानकारों के अनुसार विदेश नीति में भी उन्होंने कई दांव खेले। पहले तो सारे दांव सही पड़ते गए। 2015 में यमन में हूती लड़ाकों के ख़िलाफ अभियान शुरू किया। कतर के खिलाफ नाकाबंदी लगाई। अमेरिका के साथ, खासकर ट्रंप के समय में, बहुत करीबी रिश्ते बनाए और भारी हथियार खरीदे। 2023 में चीन की मदद से ईरान के साथ भी समझौता कर लिया। इस्लामी देशों का लीडर कौन होगा शिया ईरान या सुन्नी सऊदी अरब, पहले यही तनाव चलता रहता था। वो तनाव कम करने के लिए ईरान के साथ भी समझौता कर लिया था क्योंकि उनको स्थिरता चाहिए थी ताकि उनका विजन 2030 साकार हो। दुनिया भर में बड़े-बड़े निवेश किए। फुटबॉल क्लब खरीदे, गॉल्फ लीग शुरू की और खेलों के ज़रिए देश की छवि बदली।

यही नहीं, मोहम्मद बिन सलमान ने सऊदी अरब को सुरक्षित करने के लिए तुर्की और पाकिस्तान के साथ सिक्योरिटी पैक्ट किया। हूतियों के प्रचंड प्रहार के सामने कथित इस्लामिक नाटो की भी धज्जियां उड़ चुकी हैं। एमबीएस के नाम से प्रिंस दुनिया भर के चहेते होते जा रहे थे लेकिन 2026 में किसी की ऐसी नजर लगी कि सब दांव उल्टे पड़ते चले गए। ईरान अमेरिका युद्ध ने सब बदल दिया है। एमबीएस ने सोचा था कि सऊदी अरब को सिर्फ तेल से नहीं बल्कि टूरिज्म, मनोरंजन, नए शहरों और विदेशी निवेश से आगे बढ़ाएंगे। इसके लिए उन्होंने देश को सुरक्षित, आधुनिक और खुला दिखाने पर पूरा ज़ोर लगाया था। एयरपोर्ट्स को दुनिया से जोड़ने वाले गेटवे बनाया, बड़े सम्मेलन बुलाए, निवेशकों को बुलाया लेकिन अब रियाद और दम्माम जैसे एयरपोर्ट बार-बार निशाने पर आ रहे हैं, फ्लाइटें रद्द हो रही हैं, लोग डरे हुए हैं। जब राजधानी में मिसाइलें गिरें और विदेशियों की जान जाए तो निवेशक और टूरिस्ट कैसे आएंगे? वो चमक जो उन्होंने बनाई थी, अब धुंधली पड़ रही है।

एमबीएस को उम्मीद थी कि ट्रंप के साथ रिश्ते और हथियारों की खरीद से सऊदी अरब को ईरान और उसके समर्थन वाले गुटों से पूरी सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने सोचा था कि अमेरिका आगे खड़ा रहेगा लेकिन जब हूती विद्रोहियों के हमले बढ़े तो अमेरिका ने अपने स्टाफ और उनके परिवारों को सबसे पहले वहां से निकाल लिया। तीसरा दांव यमन में चला था प्रिंस ने कि हूतियों के खिलाफ लंबे समय से चल रही लड़ाई से उनका दक्षिणी बॉर्डर सुरक्षित रहेगा लेकिन सऊदी अरब के ट्रंप के साथ होने से ईरान ने हूती लड़ाकों को मदद और बढ़ा दी। जो बैलेंस एमबीएस बनाने की कोशिश कर रहे थे कि एक तरफ अमेरिका के साथ खड़े रहना और दूसरी तरफ ईरान के साथ शांति बनाए रखना, जब मुख्य लड़ाई छिड़ी तो ये संतुलन टूट गया। अमेरका से हथियार खरीदने का दांव भी फ़ेल हो गया। बताया जा रहा है जो सैकड़ों करोड़ों खर्च करके पेट्रियट जैसे एयर डिफेंस सिस्टम खरीदे अमेरिका से, वो काम नहीं आ पा रहे। ट्रंप अपने चुनावों में बिज़ी हैं। वो इस वक्त सिर्फ जुबानी मदद पहुंचा रहे हैं।

जानकारों की माने तो मोहम्मद बिन सलमान का रक्षा समझौता था तुर्की और पाकिस्तान के साथ लेकिन वो भी काम नहीं आ रहा। पाकिस्तान और तुर्की दोनों सीधे लड़ाई में नहीं उतर रहे। कहने को तो पाकिस्तान समझौते को इस्लामिक नाटो बोल रहा था लेकिन जब लड़ने की बारी आई तो दोनों अपने हित देख रहे हैं। तुर्की ने साफ कह दिया है कि वो आक्रामक लड़ाई में नहीं उतरेगा। उसके विदेश मंत्री ने कह दिया कि तुर्की किसी दूसरे देश की जमीन पर जाकर हमला करने के लिए फौज नहीं भेजेगा। समझौता रक्षा के लिए है, हमले के लिए नहीं।

संक्षिप्त समाचार

अंडा होने वाला है महंगा, 30% तक उछलेंगे रेट, अचानक दाम बढ़ने के पीछे वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्दियों के सीजन में त्योहारी मांग बढ़ने के साथ ही झटका लगने वाला है। देश में



अंडे और चिकन की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकती हैं। पोल्ट्री इंडस्ट्री के मुताबिक, मक्के की जमाखोरी, इथेनॉल उत्पादन के लिए अनाज का डायवर्जन और महाराष्ट्र-कर्नाटक में कमजोर मॉनसून के चलते मक्के के साथ टूटे चावल के दाम पिछले एक साल में दोगुने हो चुके हैं। इस बढ़ती उत्पादन लागत का सीधा असर बाजार में दिखेगा। दिसंबर तक खुदरा और थोक बाजार में अंडे और बिना स्किन वाले चिकन की कीमतें भारी बढ़त दर्ज कर सकती हैं। क्रिसमस और न्यू ईयर की छुट्टियों के दौरान पोल्ट्री उत्पादों की खपत अपने चरम पर होती है। लेकिन, इस बार ग्राहकों को ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी। इंडस्ट्री के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, अभी 6-7 रुपये पीस बिकने वाले थोक अंडे की कीमत दिसंबर तक 7-8 रुपये पीस हो सकती है। वहीं, बिना स्किन वाला ड्रेस्ड चिकन जो अभी 225-250 रुपये प्रति किलो पर उपलब्ध है, वह बढ़कर 260-275 रुपये प्रति किलो तक पहुंच सकता है। कुल मिलाकर दिसंबर तक पोल्ट्री उत्पादों के दामों में 25 से 30 फीसदी का सीधा इजाफा देखने को मिल सकता है। कीमतों में इस तेजी की मुख्य वजह पोल्ट्री फीड की कच्ची सामग्री का महंगा होना है। पिछले एक साल में मक्का और टूटे चावल के दाम करीब दोगुने हो गए हैं। बीते साल 18 रुपये किलो मिलने वाला मक्का अब 34 रुपये किलो बिक रहा है। दिसंबर तक इसके 40 रुपये पहुंचने की आशंका है। इसी तरह टूटे चावल की कीमत भी 14-15 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 31-32 रुपये प्रति किलो हो चुकी है। पोल्ट्री इंडस्ट्री के लिए अन्य ऑप्शन जैसे ज्वार, बाजरा और रागी का इस्तेमाल करना भी अब काफी महंगा साबित हो रहा है।

बंधन बैंक समेत 5 बैंकों में 12 महीने की एफडी पर मिलेगा ज्यादा ब्याज

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में निवेश के कई सारे विकल्प हैं। इनमें से सबसे सुरक्षित विकल्पों में



फिक्स्ड डिपॉजिट यानी कि एफडी को एक माना जाता है। बैंक अपने ग्राहकों को 7 दिन से लेकर 10 साल तक की एफडी योजना की सुविधा देते हैं। ऐसे में लोग अपने हिसाब से पैसों को इन योजनाओं में लगाते हैं। इस बीच हम सिर्फ 12 महीने यानी कि एक साल की बैंक एफडी की बात कर रहे हैं। बंधन बैंक समेत यहां हम कुल पांच बैंकों को जानेंगे जो अपनी एफडी योजना पर एक साल में 6.7 प्रतिशत से लेकर 7.0 प्रतिशत तक सालाना ब्याज दे रहे हैं। बैंकों के नाम और ब्याज दर को जानते हैं। इसके साथ ही हम यह भी जानेंगे कि अगर कोई पात्र ग्राहक इनमें एक साल के लिए 10000 (10 हजार) रुपये की एफडी करता है तो उसे मैच्योरिटी पर कितने रुपये मिल सकते हैं। एक साल की बैंक एफडी की ब्याज दर कितनी है कई बैंक हैं जो कम से कम 7 दिनों की एफडी स्कीम की सुविधा देते हैं। हालांकि, यहां पर हम कम से कम 12 महीने यानी कि एक साल की एफडी की बात कर रहे हैं। इसके लिए पांच बैंक आपके लिए यहां बताए जा रहे हैं। इनमें सबसे पहले बात बंधन बैंक की। हमारे सहयोगी ईटी वेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार, बंधन बैंक अपने पात्र ग्राहकों (सीनियर सिटीजन नहीं) को एक साल की एफडी पर 7 फीसदी का सालाना ब्याज देता है।

31 लाख का बजट और 42 लाख खर्च

शादी को कर्ज का जाल बनने से बचाने के लिए ना करें 5 गलतियां

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2026 अब अपने आखिरी पड़ाव में है। इसके बाद 2027 नए साल की शुरुआत होने वाली है। नया साल आने से पहले देश में शादी के सीजन शुरू होने जा रहे हैं। इस बीच किसी भी शादी को लेकर उसके बजट पर लोगों का खास ध्यान होता है।

जानकार बताते हैं कि किसी भी वेडिंग या शादी समारोह को बिना किसी आर्थिक परेशानी से अच्छे से संपन्न कराने में उसकी बजट प्लानिंग की अहम भूमिका होती है। इस दौरान लोग तय कर लेते हैं कि किस कार्य के लिए कितने रुपये खर्च किए जाने हैं। हालांकि, कई बार बजट से अधिक पैसा शादी में खर्च हो जाते हैं। एक ऐसा ही मामला गुजरात के वडोदरा से आया है। यहां एक शादी के लिए बजट 31 लाख रुपया था और खर्च करीब 42 लाख रुपये हो गए।

31 लाख का बजट और शादी में खर्च हो गए 42 लाख रुपये: हमारे सहयोगी ईटी वेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार, हार्दिक और इशिता की शादी जनवरी 2025 में वडोदरा में हुई थी। इनकी शादी का बजट करीब 31 लाख रुपये था। लेकिन, वेडिंग संपन्न होने के बाद मालूम हुआ कि इसमें करीब 11 लाख रुपये अधिक यानी कि कुल 42 लाख रुपये खर्च हो गए हैं। इस बीच हम यहां कुल पांच ऐसी जरूरी बातों के बारे में चर्चा कर रहे हैं, जिनको शादी के लिए बजट बनाते समय खास ध्यान देना चाहिए।



शादी बजट में किन गलतियों को नहीं करनी चाहिए

देश के किसी भी घर में शादी होती है तो उससे पहले लोग एक बजट बनाते हैं। कई लोग इस बजट को लिखित में बनाते हैं और तय करते हैं कि किस कार्य के लिए कितना रुपया खर्च करना है। वहीं, कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो शादी के खर्च का अनुमान लगा लेते हैं और उस हिसाब से पैसों की व्यवस्था कर लेते हैं।

अगर आपके वेडिंग बजट से बाहर खर्च की समस्या होने वाली है या किसी को हुई है तो उन्हें पैसों से जुड़ी इन 5 गलतियों को करने से बचना चाहिए। इनमें महंगाई का ध्यान न रखना, क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन का इस्तेमाल करना, इंश्योरेंस की खरीदारी ना करना, कोई इमरजेंसी फंड ना तैयार करना, लंबी अवधि के निवेश या सेविंग्स का इस्तेमाल करना शामिल है। आइए अब इन्हें थोड़ा विस्तार से जानते हैं।

महंगाई को ध्यान न देना

शादी का बजट इसकी तारीख से कुछ महीने पहले से बनना शुरू हो जाता है। इस दौरान सबसे बड़ी गलती यह हो जाती है कि लोग महंगाई को ध्यान में नहीं रखते हैं और बजट बनाने लग जाते हैं। इसलिए महंगाई और ऐन मौके पर कीमतों में होने वाली बढ़ोतरी के असर से बचने के लिए आपको मुख्य बुकिंग्स खासकर वेन्यू, कैटरर्स और डेकोरेटर्स के रेट पहले से ही तय कर लेना चाहिए। तय की गई कीमतों, मिलने वाली सेवाओं और समय-सीमा को लिखित में रख लेना चाहिए। कई लोग ऐसे होते हैं जो शादी के लिए क्रेडिट कार्ड या फिर पर्सनल लोन या इन दोनों का इस्तेमाल करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, क्रेडिट लिमिट या पर्सनल लोन, ब्याज और फीस के कारण पहले से ही महंगी शादी को और भी महंगा बना सकते हैं। इसलिए, अगर आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते भी हैं, तो ध्यान रखें कि बकाया राशि का पूरा भुगतान तय तारीख तक कर दिया जाए। हालांकि, आप यह भी कोशिश कर सकते हैं कि शादी के लिए इनका इस्तेमाल ही ना करना पड़े। देश में कई प्रकार के इंश्योरेंस की सुविधाएं हैं, जिनमें शादी के लिए भी यह शामिल है। कई लोग ऐसे होते हैं जो शादी के लिए इंश्योरेंस की खरीदारी ना करने की गलती करते हैं।

पूर्व सांसदों-विधायकों की पेंशन पर उठे सवाल, श्रीलंका की तरह इसे खत्म करने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। पड़ोसी देश श्रीलंका के संसद ने कुछ महीने पहले एक ऐतिहासिक फैसला लिया था। फरवरी में सांसदों ने अपनी ही पेंशन बंद करने वाले विधेयक को भारी मतों से मंजूरी दी थी। इस विधेयक के पक्ष में 154 और विरोध में केवल दो वोट पड़े थे। इसके साथ ही 1977 में बना वह कानून खत्म हो गया जिसमें सांसदों के लिए पेंशन का प्रावधान था। अब भारत में भी इस तरह की मांग उठ रही है। भारत में पूर्व सांसदों और विधायकों को पेंशन के साथ-साथ कई तरह की सुविधाएं मिलती हैं। दिग्गज उद्योगपति और आरपीजी एंटरप्राइजेज के चेयरमैन हर्ष गोयनका के एक पोस्ट ने इस मुद्दे पर बहस छेड़ दी है। गोयनका ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'श्रीलंका ने अपने सांसदों की पेंशन खत्म कर दी है। पब्लिक ऑफिस एक जिम्मेदारी है, यह ताउम्र मिलने वाला कोई अधिकार नहीं है। टैक्सपेयर्स के पैसे का इस्तेमाल जनकल्याण के लिए होना चाहिए। खासकर हेल्थकेयर और एजुकेशन में काफी कुछ करने की जरूरत है। क्या भारत में भी राजनीतिक विशेषाधिकारों की समीक्षा का समय आ गया है' गोयनका के इस पोस्ट को करीब 1.63 लाख बार देखा जा चुका है। यूजर्स ने इस पर तरह-तरह के कमेंट किए हैं। अरविंद सिंघल नाम के एक यूजर ने लिखा, 'मिस्टर गोयनका, पेंशन से भी कहीं बुरी चीज है विधायकों और सांसदों को जीवन भर मिलने वाली सुविधाएं।

इंजीनियर कपल ने भांप ली जरूरत, इंस्टाग्राम से मिली पहचान, अब 10 लाख महीने की कमाई वाला बिजनेस



नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है बेंगलुरु के एक कपल की। इनके नाम दीया कृष्णकुमार और आदित्य नटराजन हैं। बतौर कंप्यूटर साइंस इंजीनियर वे आईटी सेक्टर में काम करते थे। उन्होंने महसूस किया कि दफ्तर की आपाधापी और लंबे कामकाजी घंटों के बीच हर दिन सेहतमंद खाना बनाना युवा प्रोफेशनल्स के लिए बोझ बन जाता है। इस जमीनी समस्या को भांपकर पति-पत्नी ने अपने स्टार्टअप की नींव रखी। सितंबर 2024 में इसकी शुरुआत हुई थी। यह स्टार्टअप पारंपरिक प्रोटीन-रिच स्वादिष्ट भारतीय भोजन को टिकाऊ स्टील के डब्बों में डिलीवर करता है। इस स्टार्टअप का मंथली रेवेन्यू अब 10 लाख रुपये तक पहुंच चुका है। आइए, यहां दीया कृष्णकुमार और आदित्य नटराजन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

पति-पत्नी ने शुरुआती दौर में 6 लोगों की टीम के साथ काम शुरू किया। इसमें एक न्यूट्रिशनिस्ट और कुक शामिल थे। दोनों ने प्लास्टिक पैकेजिंग के बजाय महाराष्ट्र से स्टील-लाइंड रीयूजेबल डिब्बे मंगवाए। इसका मकसद ग्राहकों को घरेलू टच देना था। स्टार्टअप का मेन्यू खास तौर पर काम में व्यस्त पेशेवरों के लिए बनाया गया है। इसमें टोफू, लो-फैट पनीर, सोया और चिकन जैसे प्रोटीन स्रोतों को दाल, आलू गोभी, बेसन शिमलामिर्च, बाजरा-ज्वार की रोटी और चावल जैसी परिचित भारतीय डिशेज के साथ शामिल किया जाता है। नए यूजर्स के लिए 3-दिन वाले ट्रायल पैक की कीमत 289 रुपये प्रति मील (फ्री डिलीवरी) से शुरू होती है। रेगुलर सब्सक्रिप्शन में खाने का औसत मूल्य 269 रुपये बैठता है। इसके अलावा, यात्रियों के लिए 'अनलिमिटेड कैरी-फॉरवर्ड' की सुविधा भी दी गई है। ऑपरेशंस स्थिर होने के बाद स्टार्टअप ने इंस्टाग्राम के जरिए मार्केटिंग पर फोकस किया। शुरुआत में बेंगलुरु की एक न्यूट्रिशनिस्ट के साथ हुए सहयोग से बनी एक रील सोशल मीडिया पर छा गई। इससे स्टार्टअप को तुरंत 100 से ज्यादा ग्राहक मिले। आज इनके कई रील्स को 20 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं।

ऐसे आया बिजनेस आइडिया

दीया और आदित्य एक ही कंपनी में काम करते थे। दोनों ने तीन साल से ज्यादा समय तक कंप्यूटर साइंस इंजीनियर के तौर पर यहां सेवाएं दीं। कॉर्पोरेट लाइफ की व्यस्तता के दौरान उन्होंने महसूस किया कि बाहर का खाना पेट की सेहत बिगाड़ता है। वहीं, खुद खाना पकाना समय की कमी के चलते मुमकिन नहीं हो पाता। जब उन्होंने बाजार में मौजूदा मील सब्सक्रिप्शन ऑप्शन की तलाश की तो पाया कि ज्यादातर कंपनियां बेहद फैंसी खाने पर फोकस कर रही थीं। पूरा करने के लिए दोनों ने अपनी नौकरी छोड़ दीं।

सींग, पूंछ और खौफनाक मुस्कान वाला वो राक्षस, जिसने ओनिडा को बनाया भारत का नंबर-1 टीवी ब्रांड

नई दिल्ली, एजेंसी। दूरदर्शन और 1980 के दशक के भारत में टीवी सेट सिर्फ एक उपकरण नहीं था। इसके बजाय यह पूरे परिवार का मुख्य आकर्षण और गर्व का विषय होता था। उस दौर में जब बाकी ब्रांड्स तकनीकी शब्दों के जाल में विज्ञापनों को उलझा रहे थे, ओनिडा ने बिल्कुल अलग प्रयोग किया। ब्रांड ने 'एवेन्यूज' एजेंसी के साथ मिलकर सींगों, पूंछ और खौफनाक मुस्कान वाले 'डेविल' के जरिए विज्ञापनों का स्थापित ढांचा ही तोड़ डाला। 'ईर्ष्या' जैसे निगेटिव आइडिया को हथियार बनाकर ओनिडा ने भारतीय विज्ञापनों के इतिहास में नया अध्याय लिखा। साथ ही अपनी बाजार हिस्सेदारी को 5 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसदी तक पहुंचा दिया। अपने विज्ञापनों में वे कठिन तकनीकी भाषा पर जोर देते थे। इसी भीड़ से अलग दिखने के लिए मर्क



इलेक्ट्रॉनिक्स (ओनिडा) ने एवेन्यूज एजेंसी के आर्ट डायरेक्टर गोपी कुकडे के आइडिया को अपनाया। कुकडे ने ऐड कॉर्डिनेटर डेविड व्हिटब्रेड को एक अजीब, चुलबुले लेकिन खौफनाक 'डेविल' (राक्षस) के तौर पर पेश किया। टूटी स्क्रीन, हरा सांप और काली गुफा वाले इस डरावने ऐड ने हर भारतीय लिविंग रूम को चौंका दिया। इसे ओनिडा को सीधे स्टेटस सिंबल बना दिया। उस दौर में 'गोल्डस्पॉट' और 'पान पराग' जैसे ऐड खुशहाली और मिठास पर केंद्रित थे। इसके उलट ओनिडा ने 'नेबर्स एन्वी, ओनर्स प्राइड' यानी पड़ोसी की ईर्ष्या, मालिक का गर्व जैसी टैगलाइन से सीधे इंसानी जलन को छुआ। ब्रांड के पूर्व सीईओ वाई.वी. वर्मा के मुताबिक, इस शॉक-वैल्यू स्ट्रैटेजी के कारण ओनिडा की बाजार हिस्सेदारी 1981 में 5-6 फीसदी से उछलकर 1995 तक 19-20 फीसदी हो गई। इडस्ट्री एक्सपर्ट्स का भी मानना था कि ओनिडा का ऐड सिर्फ इसलिए सफल साबित हुआ क्योंकि टीवी की अपनी स्टाइलिंग और प्रोडक्ट की क्वालिटी ने खरीदारों की बहुत ज्यादा बढ़ी हुई उम्मीदों को पूरा किया। दो दशकों तक ओनिडा के साथ रहने के बाद ब्रांड मैस्कट 'डेविल' की भूमिका में राजेश खेड़ा, आशीष चौधरी और आमिर बशीर जैसे कई अभिनेता आए। विज्ञापनों का जिम्मा ओगिल्वी और रीडिफ्यूजन जैसी एजेंसियों के पास बदला।

एयर इंडिया एक्सप्रेस को सात महीने से नहीं मिला सीईओ

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की एयरलाइंस एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की टॉप पोस्ट पर दो अलग-अलग ष्टश्वह्न ना रखकर एक ही से काम चलाया जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि इस बात को बल इस साल 19 मार्च को आलोक सिंह द्वारा एयर इंडिया एक्सप्रेस के ष्टश्वह्न के पद से इस्तीफा देने के बाद से भी मिल रहा है। सात महीने से अधिक का समय बीत जाने के बाद अभी तक एयर इंडिया एक्सप्रेस को अपना कोई स्थायी ष्टश्वह्न नहीं मिल सका है। इससे खर्चे कम करने की दिशा में कंपनी की 'वन एयर इंडिया' पॉलिसी के तहत लग रहा है कि आने वाले समय में दोनों एयरलाइंस का एक ही ष्टश्वह्न होगा। हालांकि, इस बारे में अभी तक दोनों एयरलाइंस में से किसी ने भी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। लेकिन एक अक्टूबर को एयर इंडिया के और एमडी का चार्ज संभालने के बाद और पहले टेवोल्डे गेब्रेमरियम सीधे तौर पर दोनों एयरलाइंस में बिना जरूरत वाले खर्चे कम करने की बात कह रहे हैं। इससे इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि आने वाले समय में दोनों एयरलाइंस के लिए एक ही होंगे। जिसकी जिम्मेदारी एयर इंडिया के मौजूदा गेब्रेमरियम को ही दी जा सकती है, जो की अभी भी इसकी देखरेख कर ही रहे हैं।

चीनी और तेल के बाद कपड़ों की धुलाई भी हुई महंगी, फेस्टिव सीजन के बीच इस दिग्गज कंपनी ने बढ़ाए दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। फेस्टिव सीजन के बीच ग्राहकों को महंगाई का झटका लगा है। खाने-पीने की चीजों, चीनी और खाद्य तेल की कीमत पहले से ही काफी बढ़ गई हैं। अब साबुन और सर्फ की कीमतें भी बढ़ गई हैं।



एफएमसीजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड ने सर्फ एक्सेल, रिन और व्हील जैसे लोकप्रिय डिटर्जेंट ब्रैंड्स सहित अपने होम केयर पोर्टफोलियो के कई उत्पादों की अधिकतम खुदरा कीमतों में 11 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की है। कंपनी की सीईओ प्रिया नायर के मुताबिक इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी के कारण मार्जिन बचाने के लिए यह कदम उठाया गया है। कीमतों में यह बदलाव अलग-अलग पैक साइज पर लागू हुआ है, जिसमें 1 रुपये से लेकर 10 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। कंपनी ने एमआरपी 10 रुपये बढ़ाकर 235 रुपये से 245 रुपये कर दी है। इसका 500 ग्राम का पैक 5 रुपये महंगा हो गया है। इसी तरह कीमत 5 रुपये बढ़कर 172 रुपये हो गई है। इसका 500 ग्राम वाला पैक अब 85 के बजाय 87 रुपये में मिलेगा। (250 ग्राम) की एमआरपी 3 रुपये बढ़ाकर 45 रुपये कर दी गई है, जबकि चार बार वाले बंडल (प्रत्येक 200 ग्राम) की कीमत 10 रुपये बढ़कर 155 रुपये हो गई है। ने अपने रिन और व्हील ब्रैंड के उत्पादों के दाम भी बढ़ाए हैं। 500 एमएल की कीमत 5 रुपये बढ़ाकर 95 रुपये कर दी गई है। 500 ग्राम के पैक में 3 रुपये और 2 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। कंपनी ने किलो की कीमत 3 रुपये बढ़ाकर 93 रुपये कर दी है। इसका 500 ग्राम का पैक अब 46 रुपये के मुकाबले 47 रुपये में मिलेगा। होम केयर प्रोडक्ट्स के अलावा, साबुन (150 ग्राम) की एमआरपी 8 रुपये बढ़ाकर 74 रुपये से 82 रुपये कर दी है, जो 10 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्शाती है। माना जा रहा है कि एफएमसीजी सेक्टर की दूसरी कंपनियां भी आने वाले दिनों में अपने प्रोडक्ट्स की कीमत में इजाफा कर सकती हैं।

क्रेडिट कार्ड के वो 'हिडन चार्ज', जो आपकी जेब में लगा सकते हैं सेंध, कैशबैक के चक्कर में कहीं हो ना जाए बड़ा नुकसान!

नई दिल्ली, एजेंसी। वैसे तो सालभर लोग किसी न किसी जरूरी कार्य जैसे शॉपिंग, टिकट बुकिंग, किसी महंगी चीज की खरीदारी के लिए पेमेंट और ईएमआई समेत अन्य खर्चों के लिए क्रेडिट कार्ड्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, फेस्टिव सीजन में इसकी मांग और यूज दोनों ही बढ़ जाते हैं। इसको देखते हुए देश के कई बैंक अपने-अपने इन कार्ड्स पर पात्र ग्राहकों को कई ऑफर्स, रिवॉर्ड पॉइंट्स और कैशबैक समेत अन्य सुविधाएं देते हैं। ग्राहक क्रेडिट कार्ड्स पर इन फायदों को देखते हुए उन्हें लेने से लिए हां भी कर देते हैं। लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि इन कार्ड्स की कुछ फीस और खासकर के हिडन चार्ज भी होते हैं अगर आप इनको जाने बिना किसी क्रेडिट कार्ड को लेते हैं तो हो सकता है कि ये चार्जेज आपकी जेब में सेंध लगा दें और इससे आपको बड़ा नुकसान भी हो सकता है। इसलिए इन नुकसान से बचने या सतर्क रहने के लिए आपको क्रेडिट कार्ड्स के कुछ हिडन चार्ज को पहले ही जान लेना चाहिए। सबसे पहले हम जॉइनिंग फीस की बात करेंगे। देश के कई बैंक हैं जो अपने क्रेडिट कार्ड पर ग्राहकों से जॉइनिंग फीस लेते हैं। यह फीस केवल एक बार लगती है।



कैश विड्रॉल फीस

देश के कई बैंक हैं जो अपने क्रेडिट कार्ड से ग्राहकों को कैश विड्रॉल की सुविधा देते हैं। मतलब कि आप एटीएम का इस्तेमाल करके इन कार्ड्स के जरिए कैश निकाल सकते हैं। लेकिन, क्रेडिट कार्ड से कैश निकासी पर मोटा चार्ज लगता है। बैंक आपसे कैश विड्रॉल फीस लेते हैं। जानकारी के अनुसार, क्रेडिट कार्ड से कैश निकासी या नकद निकासी पर निकाली गई कुल रकम का करीब 2 फीसदी से 3 फीसदी या उससे अधिक का चार्ज लग सकता है।

एनुअल फीस

कई बैंक अपने क्रेडिट कार्ड के लिए जॉइनिंग फीस नहीं लेते हैं, लेकिन वे इसके लिए एनुअल फीस लेते हैं। एनुअल फीस जिसे वार्षिक या सालाना शुल्क भी कहते हैं यह एक प्रकार का चार्ज होता है, जो बैंक आपके द्वारा क्रेडिट कार्ड को यूज करने और उसकी सेवाओं को आपके तक पहुंचाने के साथ उसे मेंटेन करने के लिए लेते हैं। इन चार्ज को मेंटेनेंस चार्ज भी कह सकते हैं। कई बैंक जॉइनिंग फीस और एनुअल फीस दोनों ही लेते हैं।

लेट पेमेंट चार्ज

अगर आप क्रेडिट कार्ड के बकाया रुपये या राशि का भुगतान समय पर नहीं करते हैं तो आपको लेट पेमेंट चार्ज देना पड़ सकता है। बैंक ड्यू डेट से पहले या इस डेट तक आपसे उम्मीद करते हैं कि आप बकाया राशि का भुगतान कर दें। अगर कोई नहीं करता है तो उसे लेटे पेमेंट चार्ज के साथ बकाया राशि को जमा करना होता है। इससे आपकी जेब पर असर पड़ता है और आपको आर्थिक रूप से नुकसान होने का खतरा होता है। जब आप भारतीय क्रेडिट कार्ड को विदेशों में इस्तेमाल करते हैं और रुपये का भुगतान आप किसी विदेशी करेंसी जैसे डॉलर, यूरो आदि में करते हैं तो बैंक आपसे फॉरेन करेंसी मार्कअप लेता है।

संक्षिप्त समाचार

फिलीपींस में विमान हादसा, 6 विदेशी नागरिकों को ले जा रहा प्राइवेट प्लेन क्रैश

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में एक प्राइवेट प्लेन क्रैश हो गया है। इस प्लेट में छह विदेशी नागरिक सवार थे। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विमान में सवार किसी यात्री या चालक दल के सदस्य की मौत हुई है या नहीं। दावाओ डेल सुर के डिगोस शहर में आपदा प्रबंधन एजेंसी के अधिकारी जोमार कैलेडो ने बताया कि बचाव अभियान चल रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, आपदा प्रबंधन के एक अधिकारी ने बताया कि दक्षिणी फिलीपींस में छह विदेशी नागरिकों को ले जा रहा एक निजी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। दुर्घटना के बारे में अभी और जानकारी आनी बाकी है, जिसमें विमान में सवार लोगों की स्थिति और हादसे के कारणों का पता चलना शामिल है।

स्टील प्लांट में भीषण धमाका, 16 लोगों की मौत और 13 घायल

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये के पश्चिमी हिस्से में सोमवार को एक स्टील प्लांट में भीषण धमाका होने से 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। धमाके के बाद प्लांट में भीषण आग लग गई और आसमान में धुएं का गुबार उठने लगा। हादसा इजमिर प्रांत के अलियागा में स्थित हाबास (एचएबीएएस) आयरन एंड स्टील प्लांट में हुआ। धमाका इतना तेज था कि आसपास मौजूद लोगों को भूकंप जैसा झटका महसूस हुआ। घटना के बाद आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के साथ बचाव अभियान शुरू किया। इजमिर प्रांत के गवर्नर सुलेमान एल्बान ने हादसे के शुरुआती कारणों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्लांट में एक बॉयलर बदलने का काम चल रहा था। इसी दौरान एक क्रेन भट्ठी में गिर गई। इसके कारण पास की स्टील मिल में जोरदार धमाका हो गया। गवर्नर के मुताबिक, बॉयलर बदलने के लिए उत्पादन बंद किया गया था। इसलिए हादसे के समय आसपास सामान्य तौर पर मौजूद रहने वाले 300 कर्मचारियों की जगह करीब 200 कर्मचारी थे। गवर्नर कार्यालय के अनुसार, धमाका स्थानीय समय के मुताबिक दोपहर करीब 12 बजे हुआ। इसके बाद प्लांट के अंदर आग तेजी से फैल गई और बचाव कार्य शुरू किया गया। तुर्किये के समाचार चैनल एनटीवी ने धमाके के तुरंत बाद की तस्वीरें दिखाईं। इनमें प्लांट के अंदर भीषण आग लगी दिखाई दी और धुएं का ऊंचा गुबार उठ रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाका बेहद तेज था। सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलु के मुताबिक, प्रत्यक्षदर्शी नूरी अली उल्कर ने कहा कि धमाके से जमीन हिल गई और झटका बहुत तेज था। वहीं, एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी डेनिज उल्कर ने बताया कि उन्हें ऐसा लगा जैसे उनके पैरों के नीचे धरती खिसक रही हो। उन्होंने कहा कि शुरुआत में उन्हें लगा कि भूकंप आया है। धमाके के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई। तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोआन ने कैबिनेट की निर्धारित बैठक के बाद टेलीविजन पर दिए संबोधन में हादसे की जानकारी दी। उन्होंने 16 लोगों की मौत और 13 के घायल होने की पुष्टि की। राष्ट्रपति ने कहा कि घायलों में दो की हालत गंभीर है। उन्होंने बताया कि धमाके की न्यायिक और प्रशासनिक जांच शुरू कर दी गई है। एर्दोआन ने कहा कि यह दुखद घटना पूरे देश के लिए गहरे दुख का कारण बनी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हादसे की वजह, परिस्थितियों और इसमें किसी की लापरवाही या जिम्मेदारी की पूरी जांच की जाएगी। हादसे के बाद गृह मंत्री मुस्तफा चिफ्तची ने बताया कि आपातकालीन टीमें आग बुझाने और हताहतों की तलाश में जुटी रहीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है और उनके स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा रही है। न्याय मंत्री अकिन गुरलेक ने बताया कि मामले की जांच के लिए चार सरकारी अभियोजकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, निजी समाचार एजेंसी डेमिरोरेन के मुताबिक, धमाके के सिलसिले में पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। हालांकि, हादसे में किसकी लापरवाही थी और इसके लिए कौन जिम्मेदार है, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। हाबास स्टील प्लांट की स्थापना वर्ष 1987 में हुई थी। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, इसकी सालाना उत्पादन क्षमता 45 लाख टन स्टील है। अलियागा अपने बड़े बंदरगाह और पुराने जहाजों को तोड़ने के उद्योग के लिए जाना जाता है। आलोचकों का आरोप है कि जहाज तोड़ने की गतिविधियों से पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचा है।

मुश्किलों में जेन्सेन हुआंग: एक दिन में 69.5 हजार करोड़ रुपये घटी दौलत; एनवीडिया के शेयरधारकों ने किया मुकदमा

वॉशिंगटन, एजेंसी। एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग की संपत्ति में एक ही दिन में 7.4 अरब डॉलर (69.5 हजार करोड़ रुपये) की गिरावट आई है। कंपनी के शेयरों में दबाव के बीच उनकी कुल संपत्ति घटकर 154.7 अरब डॉलर (14.53 लाख करोड़ रुपये) रह गई। इसके साथ ही वह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में आठवें स्थान से फिसलकर दसवें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस गिरावट के पीछे कंपनी के सीईओ की निजी जिंदगी से जुड़ा विवाद भी चर्चा में है।

हुआंग ने अपनी पत्नी लोरी हुआंग के प्रति बेवफाई की बात स्वीकार की है। हाल ही में एक कारोबारी अधिकारी के साथ उनके संबंधों को लेकर खबरें सामने आई थीं। बताया गया था कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को संदेह था कि वह अधिकारी चीन के लिए सूचनाएं जुटा रही थी।



फोर्ब्स के मुताबिक, नौ नवंबर को कारोबार शुरू होने के शुरुआती आधे घंटे में ही हुआंग की संपत्ति 7.4 अरब डॉलर घटकर 154.7 अरब डॉलर रह गई। इसके बाद वह बर्कशायर हैथवे के प्रमुख वॉरेन बफेट और ओरेकल के सह-संस्थापक लैरी एलिसन से भी नीचे आ गए। इससे पहले छह नवंबर को ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स ने हुआंग की संपत्ति 150.9 अरब डॉलर बताई थी। व्यापक तकनीकी शेयरों में बिकवाली के दौरान उनकी संपत्ति में 15.1 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई थी। एनवीडिया ने हुआंग के साथ कथित विदेशी खुफिया गतिविधि से जुड़े मामले की खबरों के बाद स्वतंत्र जांच कराने की घोषणा की है। हुआंग ने कर्मचारियों को भेजे संदेश में अपनी पत्नी और बच्चों को दुख पहुंचाने के लिए माफी मांगी और जांच में सहयोग करने की बात कही। हालांकि, एनवीडिया के बोर्ड ने कहा है कि उसके पास यह मानने का कोई कारण नहीं है कि कंपनी की गोपनीय जानकारी या राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी सूचनाओं से समझौता हुआ है। हुआंग फिलहाल कंपनी के प्रमुख बने हुए हैं। हुआंग के पास एनवीडिया की 3.5 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी है। वह कंपनी के सबसे बड़े व्यक्तिगत शेयरधारक हैं। उनकी संपत्ति का बड़ा हिस्सा वेतन के बजाय कंपनी में उनकी हिस्सेदारी के मूल्य से जुड़ा है। यही वजह है कि एनवीडिया के शेयरों में उतार-चढ़ाव का असर उनकी कुल संपत्ति पर तेजी से पड़ता है। शेयरों की कीमत बढ़ने पर उनकी संपत्ति में फिर इजाफा हो सकता है, जबकि गिरावट जारी रहने पर उन्हें और नुकसान उठाना पड़ सकता है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जेन्सेन हुआंग के खिलाफ प्रस्तावित क्लास एक्शन मुकदमा दायर किया गया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि कंपनी और हुआंग ने शेयरधारकों को गुमराह किया और हुआंग के एक ऐसी महिला से कथित संबंधों की जानकारी छिपाई, जिस पर चीनी खुफिया एजेंसी के लिए काम करने का संदेह है। इस मुकदमे से चिप निर्माता कंपनी के कारोबार और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों को लेकर बढ़ती जांच के बीच उसकी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

ट्रंप के रक्षा मंत्री हेगसेथ को हटाने की तैयारी, रिपब्लिकन सांसद थॉमस ने पेश किया महाभियोग प्रस्ताव

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन पर राजनीतिक दबाव बढ़ता जा रहा है। अब ट्रंप की अपनी रिपब्लिकन पार्टी के एक सांसद ने ही रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को पद से हटाने के लिए महाभियोग प्रस्ताव लाने की पहल की है। केंटकी के सांसद थॉमस मैसी ने आरोप लगाया है कि हेगसेथ ने गैरकानूनी सैन्य आदेशों को जानबूझकर लागू किया और अमेरिकी संविधान के लिए खतरा पैदा किया। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब ईरान युद्ध के मुद्दे पर ट्रंप की पार्टी को मध्यावधि चुनाव में दोनों सदनों में हार का सामना करना पड़ा है। मैसी ने सोमवार को प्रतिनिधि सभा में महाभियोग प्रस्ताव पढ़कर सुनाया। यह प्रस्ताव मुख्य रूप से ईरान के साथ जारी युद्ध में हेगसेथ की भूमिका पर केंद्रित है। इसमें यमन और वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का भी जिक्र किया गया है। मैसी ने हेगसेथ के कामों को गंभीर अपराध और गलत आचरण बताते हुए कहा कि उन्होंने गैरकानूनी आदेशों को लागू किया। इस प्रस्ताव पर इसी सप्ताह के मध्य तक मतदान हो सकता है। हालांकि, इसके आगे की प्रक्रिया को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रस्ताव पेश करने के बाद मैसी पर निजी हमला करते हुए उन्हें नाकाम नेता बताया और कहा कि उनके मन में बहुत नफरत है। प्रतिनिधि सभा में महाभियोग प्रस्ताव पारित कराने के लिए डेमोक्रेटिक सांसदों का समर्थन अहम हो सकता है। हकीम जेफ्रीज ने प्रस्ताव का समर्थन किया है। अगर अधिकतर डेमोक्रेट उनके साथ आते हैं तो मैसी को कुछ रिपब्लिकन सांसदों का समर्थन ही जुटाना होगा। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने भी कहा है कि हेगसेथ के खिलाफ सीनेट में मुकदमा चलना चाहिए।

यूरोपीय देशों पर हमला का हमारा कोई इरादा नहीं', उप-विदेश मंत्री बोले- हमला हुआ तो जवाब देंगे

मॉस्को, एजेंसी। रूस के उप-विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने कहा है कि रूस का यूरोपीय देशों पर हमला करने का न तो कोई इरादा है, न योजना और न ही इसकी कोई वजह है। यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन (ओएससीई) द्वारा आयोजित 'यूरोप का सैन्यीकरण : अब आगे क्या?' विषय पर एक गोलमेज चर्चा में रयाबकोव ने कहा कि पश्चिमी देश यूरोप में सैन्य संघर्ष की आशंका पर इस तरह चर्चा कर रहे हैं, जैसे यह लगभग तय हो और इसे टाला नहीं जा सकता। रूस के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर जारी बयान के मुताबिक, उप-विदेश मंत्री ने कहा कि रूस किसी के लिए खतरा नहीं है और निकट भविष्य या लंबे समय में किसी भी देश पर हमला करने की उसकी कोई योजना नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अगर रूस पर हमला किया जाता है तो मॉस्को को जवाब देने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। रयाबकोव ने यह भी कहा कि कुछ यूरोपीय सरकारें रूस-यूक्रेन संघर्ष खत्म करने को लेकर गंभीर नहीं हैं। उनके मुताबिक, सभी पक्षों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस संघर्ष का समाधान निकाला जा सकता था, लेकिन पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को उचित समाधान छोड़कर युद्ध का रास्ता चुनने के लिए प्रेरित किया। कि देर-सवेर यूरोपीय देश समानता, साझा सुरक्षा, व्यावहारिक सोच और एक-दूसरे के हितों का सम्मान करने के आधार पर रूस के साथ बातचीत के लिए तैयार होंगे।



चुनावी झटके के बावजूद ट्रंप अपने रुख पर कायम, रूबियो बोले- विदेश नीति में नहीं होगा कोई बदलाव

पेरिस, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की हार का ट्रंप प्रशासन की विदेश नीति पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सोमवार को पेरिस में जी-7 (ग्रुप ऑफ सेवन) देशों के शीर्ष राजनयिकों की बैठक हुई, जिसमें विभिन्न वैश्विक संकटों को लेकर सदस्य देशों के बीच स्पष्ट मतभेद सामने आए। जी-7 देशों के अपने समकक्षों के साथ बातचीत के बाद पत्रकारों से बात करते हुए रूबियो ने कहा कि मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की करारी हार के बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ही तय करेंगे कि अमेरिका की नीतियां क्या होंगी। उन्होंने कहा कि ट्रंप ईरान के साथ जारी संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं। हालांकि, अमेरिका वैश्विक मंच पर 'अमेरिका फर्स्ट' (अमेरिका सर्वोपरि) की नीति पर कायम रहेगा। रूबियो ने कहा, 'हमारी विदेश नीति



में कांग्रेस की भी भूमिका होती है, खासकर फंडिंग और निगरानी के मामले में। लेकिन विदेश नीति तय करने में सबसे अहम भूमिका हमेशा राष्ट्रपति की रही है और आगे भी रहेगी।' बता दें कि अमेरिकी कांग्रेस पर डेमोक्रेटिक पार्टी का नियंत्रण होने के बाद रूबियो की यह पहली विदेश यात्रा है। इस चुनावी बदलाव के पीछे ईरान युद्ध जैसी ट्रंप प्रशासन की बेहद अलोकप्रिय नीतियों को भी एक वजह माना जा रहा है। इस सप्ताह अमेरिका के सहयोगी देशों ने सवाल उठाए हैं कि क्या चुनावी नतीजों के बाद ट्रंप प्रशासन अपने रुख में कोई बदलाव करेगा। रूस-यूक्रेन युद्ध, ईरान का मुद्दा हो या अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी), दो दिनों की बातचीत शुरू होने के साथ ही अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान के बीच कई मुद्दों पर मतभेद सामने आए। हालांकि, सभी देश इस बात पर सहमत थे कि इन संघर्षों को जल्द से जल्द समाप्त किया जाना चाहिए। रूबियो ने कहा कि अमेरिका अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के विरोध में अपने रुख से पीछे नहीं हटेगा। जी-7 के अन्य सदस्य देश इस अदालत का हिस्सा हैं, जबकि ट्रंप प्रशासन इसे खत्म करना चाहता है। रूबियो ने कहा कि युद्ध के बाद यूक्रेन और यूरोप के बाकी देशों की सुरक्षा की गारंटी देना सहयोगी देशों के लिए सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने कहा, 'यूरोपीय देश निश्चित रूप से पूरे महाद्वीप की सुरक्षा के भविष्य पर चर्चा में शामिल होने के लिए तैयार हैं। लेकिन पहला कदम युद्ध को समाप्त करना है।' जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने भी कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के किसी भी समाधान में यूरोप की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने रूबियो से अलग से मुलाकात की थी। वाडेफुल ने कहा, 'मैं संयुक्त राज्य अमेरिका का बहुत आभारी हूं कि उसने संघर्ष में शामिल पक्षों को बातचीत की मेज पर लाने के लिए हर संभव प्रयास किया है। लेकिन मैंने यहां फिर से स्पष्ट कर दिया है कि यूरोप को भी इस बातचीत का हिस्सा होना चाहिए।

ईरान पर अब हमला नहीं करेंगे ट्रंप?: कतर के पीएम से मुलाकात के बाद बदला रुख, बोले- हमले की जरूरत नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ आठ महीने से जारी युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा संकेत दिया है। उन्होंने कहा है कि सैन्य रूप से ईरान के खिलाफ लड़ाई प्रभावी तौर पर खत्म हो चुकी है लेकिन अमेरिकी सेना अलर्ट पर रहेगी। फिलहाल अमेरिका मौजूदा स्थिति बनाए रखना चाहता है और दोबारा बड़े हमले करने की जरूरत नहीं दिख रही है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब युद्ध के कारण दुनिया भर में ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं और अमेरिकी जनता भी इससे परेशान है। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि युद्ध पूरी तरह खत्म करने के लिए अंतिम समझौता कब तक हो सकता है। ट्रंप ने सोमवार को कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम अल थानी से मुलाकात के बाद व्हाइट हाउस के ब्रीफिंग रूम में पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा, ''ईरान सैन्य रूप से प्रभावी तौर पर खत्म हो चुका है। हम फिलहाल मौजूदा स्थिति बनाए रख रहे हैं।'' ट्रंप के मुताबिक, ईरान का नेतृत्व बुरी तरह कमजोर हुआ है। हालांकि, अमेरिका की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम लंबे समय तक निष्क्रिय रहे और वह परमाणु हथियार बनाने की स्थिति में न पहुंचे।

ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत में सकारात्मक प्रगति हो रही



है। उन्हें उम्मीद है कि युद्ध खत्म करने की अच्छी संभावना है। उन्होंने कहा कि ईरान के प्रतिनिधि अमेरिका से बात कर रहे हैं और उनका रवैया भी विनम्र है। हालांकि, उन्होंने सैन्य कार्रवाई की संभावना पूरी तरह खत्म नहीं की। ट्रंप ने कहा कि फिलहाल सैन्य कार्रवाई जरूरी नहीं लगती, लेकिन अमेरिकी सेना किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। इससे पहले भी ट्रंप कई बार ईरान पर हमले तेज करने की चेतावनी दे चुके हैं, लेकिन बाद में कूटनीतिक बातचीत को और समय देने का फैसला किया। ट्रंप ने युद्ध खत्म होने के संकेत जरूर दिए, लेकिन अमेरिकी सेना की तैनाती घटाने की बात नहीं कही। हजारों अमेरिकी सैनिक ईरान के आसपास समुद्री क्षेत्र में तैनात हैं। अमेरिकी नौसेना ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी भी जारी रखी है, ताकि ईरान का तेल वैश्विक बाजार तक न पहुंच सके। ट्रंप ने इसे अब तक की सबसे बड़ी सैन्य नाकेबंदी बताया।

उन्होंने कहा कि अमेरिका इस व्यवस्था को जारी रखेगा। पिछले सप्ताह अमेरिकी सेना ने ईरान की वायु रक्षा प्रणाली पर सीमित हमले भी किए थे। शनिवार को अमेरिकी सेना ने एक व्यापारिक जहाज पर गोलीबारी कर उसे निष्क्रिय कर दिया। अमेरिका का दावा है कि जहाज ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहा था। ईरान ने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत शुरू करने से पहले अमेरिका के सामने कई शर्तें रखी हैं। इनमें ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी खत्म करना, आर्थिक प्रतिबंध हटाना, जब्त संपत्तियां वापस करना और युद्ध में हुए नुकसान का मुआवजा देना शामिल है। ईरान पूरे क्षेत्र में जारी संघर्ष खत्म करने की भी मांग कर रहा है। इसमें लेबनान में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई रोकने की मांग भी शामिल है। कतर के अधिकारियों ने पिछले सप्ताह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर कुछ प्रस्ताव पेश किए थे। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इन प्रस्तावों पर टिप्पणी नहीं की है। ट्रंप ने भी पहले अप्रत्यक्ष बातचीत जारी होने की बात कही थी।

बुकर पुरस्कार 2026: 81 साल की उम्र में एम जॉन हैरिसन को मिला सम्मान, 198 पन्नों के उपन्यास ने क्या इतिहास रचा

पेरिस, एजेंसी। साहित्य की दुनिया के प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार के इतिहास में इस साल एक नया रिकॉर्ड बना है। ब्रिटिश लेखक एम जॉन हैरिसन ने 81 साल की उम्र में 2026 का बुकर पुरस्कार जीत लिया है। उन्हें यह सम्मान उनके उपन्यास 'द एंड ऑफ एवरीथिंग' के लिए दिया गया है। खास बात यह है कि इस साल की अंतिम सूची में शामिल छह उपन्यासों में यह सबसे छोटा था। इसमें केवल 198 पन्ने हैं। करीब 60 साल से लेखन कर रहे हैरिसन अब बुकर पुरस्कार जीतने वाले सबसे उम्रदराज लेखक बन गए हैं। उनकी इस जीत को साहित्य जगत में बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। हैरिसन को यह पुरस्कार सोमवार रात लंदन में आयोजित समारोह में दिया गया। उनका उपन्यास एक ऐसे भविष्य की कहानी बताता है, जहां एक रहस्यमयी तबाही के बाद दुनिया की स्थिति बदल चुकी है। निर्णायक मंडल को यह किताब इसलिए खास लगी, क्योंकि इसकी कहानी गंभीर और निराशाजनक विषयों के बीच भी पाठक के मन में उम्मीद की एक किरण छोड़ती है। पुरस्कार मिलने के बाद हैरिसन ने कहा कि उन्हें



लगता है कि अब जाकर वह एक वास्तविक लेखक बने हैं, हालांकि उनमें आत्मविश्वास की कमी अब भी है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में, जब बड़े पैमाने पर उपन्यास लिखे जा रहे हैं, ऐसे पुरस्कार लेखकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। 'द एंड ऑफ एवरीथिंग' की कहानी इंग्लैंड के दक्षिणी तट पर रहने वाले फिलिप टेनेन्ट और उनकी बुजुर्ग चाची मार्नी के इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों भविष्य के एक ऐसे दौर में रहते हैं, जो एक रहस्यमयी आपदा के कई साल बाद का समय है। इस आपदा के बाद दुनिया में 'आईघेटी' नाम के लोगों का आक्रमण हुआ है। किताब में 'आई' का संबंध डिजिटल दुनिया से होने का संकेत मिलता है, लेकिन इसका असली अर्थ पूरी तरह स्पष्ट नहीं किया गया है। कहानी में बदलती दुनिया, अनिश्चितता और मानवीय जीवन के बीच उम्मीद को दिखाया गया है। बुकर पुरस्कार 2026 के निर्णायक मंडल की अध्यक्ष लेखिका मैरी बियर्ड थीं। उन्होंने बताया कि निर्णायकों ने अंतिम सूची में शामिल छह उपन्यासों पर पूरे दिन चर्चा की। की किताब को विजेता चुना। बियर्ड के मुताबिक, यह उपन्यास पाठक को चौंकाता है, उसके चेहरे पर हल्की मुस्कान लाता है और कहानी के विषय के बावजूद मन में उम्मीद जगाता है। निर्णायकों के लिए किताब की यही खासियत इसे बाकी उपन्यासों से अलग बनाती है। 2026 के बुकर पुरस्कार की अंतिम सूची में ब्रिटेन के लेखकों का दबदबा रहा। इसमें स्कॉटिश-अमेरिकी लेखक और पहले बुकर पुरस्कार जीत चुके डगलस स्टुअर्ट का उपन्यास 'जॉन ऑफ जॉन' भी शामिल था।

जलवायु संकट पर दुनिया को चेतावनी: कॉप-31 में बोले वैश्विक नेता- मौजूदा प्रयास धीमे, तेजी से उठाने होंगे कदम

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। दुनिया में लगातार बढ़ते तापमान, भीषण गर्मी और प्राकृतिक आपदाओं ने जलवायु संकट को गंभीर बना दिया है। ऐसे में तुर्किये के अंताल्या में सोमवार को संयुक्त राष्ट्र का दो सप्ताह चलने वाला कॉप-31 जलवायु शिखर सम्मेलन शुरू हुआ। सम्मेलन के पहले दिन वैश्विक नेताओं ने चेतावनी दी कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए दुनिया के मौजूदा प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र के जलवायु प्रमुख साइमन स्टील ने कहा कि अब ठोस कदम उठाने और काम की रफ्तार बढ़ाने की जरूरत है। इस बीच, नई जलवायु रिपोर्ट में भी चिंता जताई गई है कि वर्ष 2026 दुनिया के अब तक के चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल हो सकता है।

तुर्किये के भूमध्यसागरीय शहर अंताल्या में शुरू हुए सम्मेलन में जलवायु संकट से निपटने के लिए तेज कार्रवाई पर जोर दिया गया। संयुक्त राष्ट्र के जलवायु प्रमुख साइमन स्टील ने कहा कि मौजूदा समय की गंभीरता को देखते हुए अब ठोस फैसले लेने होंगे। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अब तक जो काम हुआ है, उसकी रफ्तार काफी धीमी है। अक्तूबर में आई संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लक्ष्य से आगे निकलने की ओर बढ़ रही है। लगातार बढ़ते तापमान के कारण दुनिया के कई हिस्सों में गर्मी और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बढ़ रहा है।

सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे तुर्किये के मूरत कुरुम ने वर्ष 2035 तक दुनिया की एक-तिहाई अर्थव्यवस्था को बिजली आधारित बनाने का लक्ष्य रखा है। फिलहाल दुनिया की अर्थव्यवस्था का करीब पांचवां हिस्सा बिजली आधारित है। इस योजना के तहत ऊर्जा के इस्तेमाल के तरीके में बदलाव लाने पर जोर दिया जाएगा। कुरुम ने कहा कि जलवायु से



जुड़े फैसलों का असर आम लोगों के रोजमर्रा के जीवन में दिखाई देना चाहिए। इसके लिए कम बिजली खर्च करने वाली इमारतों और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने की जरूरत है। उनका लक्ष्य है कि बिजली आधारित व्यवस्था का विस्तार करके प्रदूषण और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम की जाए।

वैश्विक संकटों के बीच जलवायु प्रयासों को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है: जलवायु परिवर्तन से निपटने की कोशिशों के सामने युद्ध और ऊर्जा संकट भी बड़ी चुनौती बन रहे हैं। ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इससे दुनिया में ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं। वहीं, अमेरिका लगातार दूसरे साल जलवायु वार्ता से दूर रहा है और तेल, गैस तथा कोयले का उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रहा है। दूसरी ओर, दक्षिण कोरिया, भारत और थाईलैंड जैसे एशियाई देशों ने भी कोयले पर अपनी निर्भरता बढ़ाई है। ऐसे हालात में स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने और कार्बन उत्सर्जन कम करने का लक्ष्य हासिल करना मुश्किल हो रहा है।

2026 दुनिया के सबसे गर्म वर्षों में क्यों शामिल हो सकता है: विश्व मौसम विज्ञान संगठन की सोमवार को जारी जलवायु रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी से सितंबर 2026 के बीच दुनिया का औसत तापमान औद्योगिक क्रांति से पहले के स्तर की तुलना में 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। शक्तिशाली अल नीनो के प्रभाव से आने वाले समय में तापमान और बढ़ने की आशंका है। रिपोर्ट के अनुसार, 2015 से 2026 तक के सभी 12 साल दर्ज इतिहास के सबसे गर्म 12 वर्षों में शामिल रहे हैं। यूरोपीय संघ की कोपरनिकस जलवायु सेवा के मुताबिक, वर्ष 2026 में वैश्विक तापमान के औद्योगिक क्रांति से पहले के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की लगभग पूरी संभावना है। इससे पहले वर्ष 2024 में भी यह सीमा पार हुई थी।

बढ़ते तापमान से दुनिया में कितनी गंभीर स्थिति पैदा हुई है: जलवायु संकट का असर दुनिया के कई हिस्सों में दिखाई दे रहा है। यूरोप में भीषण गर्मी और नेपाल में ग्लेशियर टूटने से आई विनाशकारी बाढ़ में 1,450 से अधिक लोगों की जान चली गई। लगातार बढ़ते तापमान के बीच शक्तिशाली अल नीनो की स्थिति ने चिंता और बढ़ा दी है। यह वर्ष इतिहास के चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की कगार पर है। जलवायु विशेषज्ञों के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती तापमान वृद्धि को सीमित करना और प्राकृतिक आपदाओं के खतरे को कम करना है। अंताल्या में चल रहे कॉप-31 सम्मेलन में दुनिया के देशों के सामने यही सवाल है कि वे अपने वादों को जमीन पर उतारने के लिए कितनी तेजी से कदम उठाते हैं।

एसएस राजामौली की 'वाराणसी' ने रिलीज से पहले रचा इतिहास

साउथ सिनेमा के मशहूर निर्देशक एसएस राजामौली इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। 'आरआरआर' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म देने के बाद राजामौली एक बार फिर बड़े पर्दे पर भव्य कहानी लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में महेश बाबू लीड रोल में नजर आएंगे।फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी उत्साह है। अब इसकी रिलीज से पहले एक बड़ी खबर सामने आई है। फिल्म ने अपनी तेलुगु थिएट्रिकल डील से बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है।



तेलुगु123 की रिपोर्ट के अनुसार, 'वाराणसी' के तेलुगु थिएट्रिकल राइट्स 300 करोड़ रुपये में बेचे गए हैं। मैथ्री मूवी डिस्ट्रीब्यूटर्स एलएलपी) ने फिल्म के तेलुगु थिएट्रिकल राइट्स हासिल कर लिए हैं। इतनी बड़ी रकम में राइट्स बिकना फिल्म के कारोबार के लिहाज से एक बड़ी बात मानी जा रही है।इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि ट्रेड में फिल्म को लेकर कितनी उम्मीदें हैं। हालांकि, मेकर्स की ओर से इस डील को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। थिएट्रिकल डील के अलावा फिल्म के ओटीटी राइट्स को लेकर भी बड़ी खबर है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नेटफ्लिक्स ने 'वाराणसी' के डिजिटल राइट्स हासिल किए हैं। हालांकि, इस डील की कीमत का खुलासा नहीं हुआ है। फिल्म की रिलीज से पहले ही इसके थिएट्रिकल और डिजिटल राइट्स की खूब चर्चा हो रही है।'वाराणसी' में महेश बाबू के साथ प्रियंका चोपड़ा जोनस और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके अलावा प्रकाश राज भी फिल्म का हिस्सा हैं। ये बड़े स्तर पर बनाई जा रही फिल्म है, जिसकी कहानी दुनिया के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचेगी। फिल्म को श्री दुर्गा आर्ट्स और शोइंग बिजनेस के बैनर तले प्रोड्यूस किया जा रहा है।फिल्म के म्यूजिक की जिम्मेदारी ऑस्कर विजेता संगीतकार एमएम कीरावानी संभाल रहे हैं। राजामौली के निर्देशन में बन रही इस फिल्म से दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं। 'वाराणसी' दुनियाभर के सिनेमाघरों में 7 अप्रैल, 2027 को रिलीज होगी। फिल्म को कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। अब देखना होगा कि रिलीज के बाद यह बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन करती है।

नयनतारा की 'मूकुथी अम्मन १' को बॉक्स ऑफिस पर मिला वीकेंड का फायदा

साउथ सिनेमा की 'लेडी सुपरस्टार' नयनतारा इन दिनों अपनी फिल्म 'मूकुथी अम्मन 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी ये फिल्म 6 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला है। बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत के बाद वीकेंड पर इसकी कमाई में अच्छा उछाल देखने को मिला। हालांकि, वीकडेज शुरु होते ही फिल्म की कमाई एक बार फिर गिर गई है।

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक, 'मूकुथी अम्मन 2' ने रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार को भारत में 2 l10 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया।इसमें तमिल भाषा से 1.93 करोड़ रुपये और तेलुगु भाषा से 17 लाख रुपये की कमाई हुई। इस दौरान फिल्म के कुल 1,605 शोज रहे और ऑक्यूपेंसी 32 l6% दर्ज की गई। इसी के साथ फिल्म की भारत में कुल नेट कमाई 16 .18 करोड़ रुपये और ग्रॉस कलेक्शन 18 .72 करोड़ रुपये हो गया है।'मूकुथी अम्मन 2' ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 1 .88 करोड़ रुपये के कलेक्शन के साथ शुरुआत की थी। इसके बाद दूसरे दिन फिल्म की कमाई में हल्की बढ़त देखने को मिली और इसने 2 .45 करोड़ रुपये का कारोबार किया। वहीं, तीसरे दिन फिल्म ने रफ्तार पकड़ी और इसकी कमाई बढ़कर 4 .60 करोड़ रुपये पहुंच गई।



चौथे दिन भी फिल्म का प्रदर्शन बेहतर रहा और इसने 5 .15 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। अब देखना होगा कि ये फिल्म आने वाले दिनों में कैसा परफॉर्म करती है। नयनतारा की फिल्म 'मूकुथी अम्मन 2' साल 2020 में आई तमिल भक्तिमय कॉमेडी फिल्म 'मूकुथी अम्मन' का सीक्वल है। ये एक डिवोशनल फैंटेसी-कॉमेडी फिल्म है, जिसमें नयनतारा एक बार फिर देवी के किरदार में नजर आ रही हैं।

'मातृभूमि' का ट्रेलर देख सलमान खान के फैन हुए डायरेक्टर वामशी

सलमान खान की मच अवेटेड फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो चुका है। इस फिल्म ने मेकर्स के सब्र का लंबा इम्तिहान लिया है। इस फिल्म का नाम बदलने से लेकर इसके एक बड़े हिस्से की शूटिंग तक, मेकर्स ने फिल्म रिलीज करने के लिए काफी जद्दोजहद की है।अब फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद फिल्ममेकर वामशी पेडिपल्ली ने भी सलमान खान की मेहनत, संघर्ष और इस फिल्म के प्रति उनके समर्पण की जमकर तारीफ की है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म का ट्रेलर रीपोस्ट करते हुए फिल्म की सक्सेस की कामना की है। वामशी पेडिपल्ली ने एक्स पर 'मातृभूमि' का ट्रेलर रीपोस्ट करते हुए सलमान खान के लिए एक खास मैसेज लिखा। उन्होंने कहा कि अब इंतजार खत्म हो गया है। वामशी ने सलमान को संबोधित करते हुए लिखा, 'सर, मुझे पता है कि आपने इस फिल्म के लिए कितने बलिदान दिए हैं और किस तरह के



स्ट्रेस से गुजरे हैं। फिल्म में आपकी ताकत और कमिटमेंट साफ नजर आ रही है।'उन्होंने आगे सलमान खान को फिल्म के लिए ढेर सारा प्यार दिया और फिल्म की पूरी टीम को बेस्ट विशेज देते हुए लिखा, 'सर, आपको वह सारा प्यार, सुकून और सफलता मिले, जो आप सच में डिसर्व करते हैं। अपूर्व लाखिया, चित्रांगदा सिंह और पूरी टीम को भी मेरी ओर से ढेरों शुभकामनाएं' बता दें कि सलमान खान की इस फिल्म का नाम पहले 'बैटल ऑफ गलवान' रखा गया था। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी यह फिल्म साल 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित है।

हुमा कुरैशी की पॉपुलर वेब सीरीज 'महारानी' का प्रोमो जारी

एक्ट्रेस हुमा कुरैशी एक बार फिर अपनी चर्चित पॉलिटिकल ड्रामा सीरीज 'महारानी' के नए सीजन के साथ दर्शकों के बीच लौटने के लिए तैयार हैं। सीरीज के पांचवें सीजन का इंतजार कर रहे फैंस के लिए मेकर्स ने बुधवार को इसका पहला प्रोमो जारी कर दिया है। इस बार रानी भारती की कहानी में राजनीति के साथ-साथ निजी जिंदगी से जुड़े कई नए मोड़ देखने को मिलेंगे। प्रोमो के साथ मेकर्स ने यह भी साफ कर दिया है कि इस बार रानी की लड़ाई पहले से ज्यादा पर्सनल होने वाली है।



मेकर्स ने सोशल मीडिया पर सीरीज का प्रोमो शेयर करते हुए लिखा, 'कुछ कर्ज वक्त के साथ नहीं, बल्कि हिसाब के साथ उतरते हैं। रानी भारती वापस आ गई है और इस बार यह पर्सनल है'। इस छोटी सी झलक ने नए सीजन को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है।प्रोमो से हिंट मिलता है कि पांचवें सीजन में रानी भारती के सामने कई नई चुनौतियां आने वाली हैं। कहानी में अप्रत्याशित मोड़ और बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। पिछले चार सीजन में दर्शकों ने रानी को एक साधारण महिला से बिहार की ताकतवर राजनीतिक शख्सियत बनते देखा है। सत्ता की लड़ाई, राजनीतिक साजिशों और निजी महत्वाकांक्षाओं के बीच उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। अब नए सीजन में उनकी यह यात्रा एक नए पड़ाव पर पहुंचने वाली है। रानी भारती का किरदार निभाने वाली हुमा कुरैशी भी पांचवें सीजन को लेकर काफी उत्साहित हैं। एक्ट्रेस हुमा कुरैशी का मानना है कि इस बार की कहानी दर्शकों को कई स्तरों पर हैरान करेगी। उन्होंने कहा, 'मुझे सच में लगता है कि सीजन 5 दर्शकों को कई तरह से सरप्राइज करेगा। महारानी के हर सीजन ने मेरे लिए एक एक्टर के तौर पर कुछ नया लाया है, लेकिन यह वाला खास तौर पर स्पेशल लगता है'। इस सीजन की कहानी काफी दमदार होने वाली है। इसमें ऐसे अप्रत्याशित ट्विस्ट और बदलाव होंगे, जो शुरुआत से ही दर्शकों को कहानी से जोड़े रखेंगे। रानी की जिंदगी इस बार एक और दिलचस्प मोड़ लेने वाली है और वह यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि दर्शक उनके इस सफर पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।

'रामायण' बनी बॉलीवुड की छठीं हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म



रणबीर कपूर और साई पल्लवी इन दिनों फिल्म 'रामायण' की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म जबसे बॉक्स ऑफिस पर आई हुई है तभी से छाई है। इसकी रिलीज से पहले से ही सुर्खियों में बनी हुई है। इसे लेकर अच्छा खासा बज बना हुआ है। फिल्म को इंडिया के साथ ही नॉर्थ अमेरिका में भी काफी पसंद किया जा रहा है। दरअसल, 'रामायण' ने नॉर्थ अमेरिका में बॉक्स ऑफिस पर 'दंगल' फिल्म का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जिसके बाद ये बॉलीवुड की छठी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म भी बन गई है। चलिए बताते हैं कलेक्शन। 'रामायण' के नॉर्थ अमेरिका की कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। कोईमोई के अनुसार, फिल्म ने पहले मंडे यानी कि 5वें दिन 1 l37 मिलियन डॉलर का ग्रॉस कलेक्शन किया था। पहले दिन के मुकाबले यहां पर 8 l05% की गिरावट आई थी। इसने 1 l49 मिलियन डॉलर का बिजनेस किया था। फिल्म का 5 दिनों का नॉर्थ अमेरिका का ग्रॉस कलेक्शन 13 l64 मिलियन डॉलर हो चुका है, जो कि इंडियन रूपये में 128 करोड़ के बराबर है।

फीचर

आज का राशिफल



मेष राशि - मेष राशि वालों के लिए कल का दिन पारिवारिक और धार्मिक मामलों में अनुकूल रह सकता है। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक कार्य को लेकर बातचीत आगे बढ़ेगी। आत्मीय स्वजनों और मित्रों का सहयोग मिलेगा। हालांकि रोग, कर्ज और विरोधियों से जुड़ी चिंताएं परेशान कर सकती हैं। अचानक कुछ जरूरी खर्च सामने आ सकते हैं, जिससे आर्थिक दबाव महसूस होगा।

वृषभ राशि - वृषभ राशि के जातकों के लिए कल का दिन मान-सम्मान और सफलता लेकर आ सकता है। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरी और व्यापार से जुड़े लोगों को अनुकूल परिणाम मिल सकते हैं। किसी प्रभावशाली व्यक्ति की मदद से लंबे समय से अटका महत्वपूर्ण काम पूरा होने की संभावना है। आय के नए स्रोत मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है।

मिथुन राशि - मिथुन राशि वालों के लिए कल का दिन बुद्धि और समझदारी के दम पर आगे बढ़ने का रहेगा। नौकरी और व्यापार में आ रही परेशानियों को दूर करने में सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक काम से की जाने वाली यात्राएं लाभकारी साबित होंगी। लंबे समय से फंसे हुए पैसों की वापसी होने की संभावना है।

कर्क राशि - कर्क राशि के जातकों के लिए कल का दिन कई मामलों में सकारात्मक रह सकता है। धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र में आपको कोई सराहनीय काम करने का अवसर मिलेगा। लंबे समय से मन में चल रही महत्वाकांक्षाएं पूरी होने की दिशा में आगे बढ़ेंगी। नौकरीपेशा लोगों को बदलाव या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है।

सिंह राशि - सिंह राशि वालों को कल अपने गुस्से और जल्दबाजी पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। छोटी-छोटी बातों पर क्रोध करने से परिवार और कार्यक्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है। बातचीत करते समय अपनी वाणी पर विशेष ध्यान दें। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें, चोट लगने या दुर्घटना की आशंका रह सकती है।

कन्या राशि - कन्या राशि के जातकों के लिए कल का दिन उपलब्धियों से भरा रह सकता है। नौकरी में स्थानांतरण या पदोन्नति की संभावना बन रही है। लंबे समय से अधूरे पड़े महत्वपूर्ण काम पूरे हो सकते हैं। आर्थिक लाभ मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा। व्यापार और उद्योग से जुड़े लोगों को पुराने गतिरोध से राहत मिल सकती है।

तुला राशि- तुला राशि वालों के लिए कल का दिन शिक्षा, नौकरी और पारिवारिक जीवन के लिहाज से अच्छा रह सकता है। विद्यार्थियों को परीक्षा और प्रतियोगिता में सफलता मिलने के योग हैं। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि के जातकों के लिए कल का दिन उत्साह और सकारात्मकता लेकर आ सकता है। परिवार या मित्रों की ओर से कोई सुखद समाचार मिलने की संभावना है। व्यापार की स्थिति में सुधार होगा और आर्थिक लाभ संतोषजनक रह सकता है। लंबे समय से अटके काम पूरे होने से मन में नया उत्साह आएगा।

धनु राशि- धनु राशि वालों के लिए कल का दिन सफलता और खुशियों से भरा रह सकता है। लंबे समय से मन में चल रही इच्छाएं पूरी होने की संभावना है। कोई महत्वपूर्ण समाचार मिलने से उत्साह बढ़ेगा। विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी और कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी।

मकर राशि - मकर राशि के जातकों के लिए कल का दिन आर्थिक और पारिवारिक मामलों में राहत देने वाला हो सकता है। आय के साधनों में सुधार होगा और पुराने कर्ज या परेशानियों से छुटकारा मिलने की संभावना है। घर-परिवार में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा। मित्रों और स्वजनों के सहयोग से लाभ के नए अवसर मिल सकते हैं।

कुंभ राशि- कुंभ राशि वालों के लिए कल का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव वाला रह सकता है। भूले-बिसरे प्रसंग फिर से सामने आ सकते हैं। अपनी व्यवहार कुशलता और बुद्धिमानी से कई उलझनों का समाधान निकालने में सफल रहेंगे। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी और मानसिक तनाव महसूस हो सकता है।

मीन राशि- मीन राशि वालों के लिए कल का दिन स्वास्थ्य, आर्थिक और पारिवारिक मामलों में अच्छा रह सकता है। अपनी सेहत का ध्यान रखने से ऊर्जा और उत्साह बना रहेगा। लंबे समय से बकाया रकम वापस मिलने की संभावना है। किसी अनुभवी या प्रभावशाली व्यक्ति के सहयोग से नौकरी और व्यापार में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं।

पहली बार छठ पूजा कर रहे हैं?

पहले जान लें ये जरूरी बातें

छठ पूजा सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि आस्था, अनुशासन और साफ-सफाई से जुड़ा महापर्व है। इस दौरान व्रती महिलाएं और पुरुष भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा करते हैं। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में नहाय-खाय से लेकर उगते सूर्य को अर्घ्य देने तक कई परंपराओं का पालन किया जाता है।अगर आप इस साल पहली बार छठ पूजा करने जा रहे हैं, तो इसकी तैयारियों को लेकर मन में कई सवाल हो सकते हैं। ऐसे में कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना आपके लिए मददगार हो सकता है।

1. पूजा की शुरुआत से पहले समझ लें चारों दिन का महत्व

छठ पूजा चार दिनों तक चलती है। पहले दिन नहाय-खाय में स्नान के बाद सात्विक भोजन किया जाता है। दूसरे दिन खरना होता है, जिसमें व्रती दिनभर उपवास रखने के बाद शाम को गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण करते हैं। तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है और चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन होता है। इसलिए पहले से ही चारों दिनों की तैयारी कर लें।

2. साफ-सफाई का रखें खास ध्यान

छठ पूजा में साफ-सफाई का विशेष महत्व माना जाता है। पूजा में इस्तेमाल होने वाले बर्तन, चूल्हा, रसोई और पूजा की जगह को अच्छी तरह साफ रखें। प्रसाद बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाली सामग्री भी साफ होनी चाहिए।

3. पूजा का सामान पहले से जुटा लें

छठ पूजा के दौरान कई चीजों की जरूरत पड़ती है। जैसे बांस का सूप, दउरा, नारियल, गन्ना, केला, सेब, मौसमी फल, दीपक और पूजा सामग्री। आखिरी समय में बाजारों की भीड़ से बचने के लिए जरूरी सामान की लिस्ट बनाकर पहले ही खरीदारी कर लें।

4. प्रसाद बनाते समय रखें सावधानी

छठ पूजा में ठेकुआ, गुड़ की खीर और रोटी जैसे प्रसाद बनाए जाते हैं। इन्हें बनाते समय साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें। प्रसाद बनाने के लिए अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री इस्तेमाल करें। साथ ही, इसे रखने के लिए साफ और सूखे बर्तनों का इस्तेमाल करें।

5. व्रत के नियमों को हल्के में न लें

छठ पूजा में व्रत के दौरान कई कठिन नियमों का पालन किया जाता है। खासकर खरना के बाद निर्जला व्रत रखा जाता है, जिसमें पानी भी नहीं पिया जाता। पहली बार व्रत कर रहे हैं तो परिवार के अनुभवी सदस्यों से परंपराओं को अच्छी तरह समझ लें।

6. अर्घ्य देने की जगह पहले ही तय करें



छठ पूजा में नदी, तालाब या घाट पर जाकर सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। ऐसे में पहले ही तय कर लें कि आप कहां अर्घ्य देंगे। घाट की साफ-सफाई, वहां पहुंचने का रास्ता और भीड़ का अंदाजा भी लगा लें। बच्चों और बुजुर्गों के साथ जा रहे हैं तो उनकी सुरक्षा का खास ध्यान रखें।



पूजा में जल्दबाजी करने से बचें

छठ पूजा में हर रस्म का अपना महत्व है। इसलिए किसी भी काम को जल्दबाजी में न करें। पूजा की सामग्री, प्रसाद और अर्घ्य की तैयारी समय से पूरी कर लें। परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर जिम्मेदारियां बांट लें, ताकि आखिरी समय में किसी तरह की परेशानी न हो।

छठ महापर्व के पहले दिन कद्दू-भात ही क्यों खाती हैं व्रती महिलाएं?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, छठ महापर्व में शुद्धता का विशेष महत्व होता है और खाने की कोई भी सामग्री बनाते समय शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाता है। नहाय-खाय के दिन कद्दू की सब्जी, चने की दाल और अरवा चावल से बना भोजन तैयार किया जाता है। इस दिन कद्दू और भात खाना जरूरी इसलिए माना जाता है क्योंकि इसे सात्विक भोजन माना जाता है और इसमें लहसुन और प्याज का इस्तेमाल नहीं होता है। चूंकि सात्विक भोजन से तन और मन की शुद्धता बनी रहती है और व्रती महिलाएं पूरी श्रद्धा के साथ व्रत की शुरुआत करती हैं। इसी वजह से नहाय-खाय में कद्दू और भात खाना जरूरी होता है।

छठ महापर्व हिंदू धर्म के सबसे कठिन और पवित्र व्रतों में से एक माना जाता है। यह पर्व भगवान सूर्य और छठी मैया को समर्पित होता है। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में व्रती महिलाएं परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की लंबी आयु और खुशहाल जीवन की कामना के लिए कठिन नियमों का पालन करती हैं।छठ पूजा की शुरुआत नहाय-खाय की परंपरा से होती है। इस दिन व्रती महिलाएं स्नान करने के बाद सबसे पहले कद्दू-भात का सेवन करती हैं।अक्सर मन में सवाल आता है कि लौकी भात का सेवन करना छठ पूजा में जरूरी क्यों माना जाता है?

छठ पूजा 2026 कब है नहाय-खाय ?

इस साल 2026 में छठ महापर्व की शुरुआत 13 नवंबर, शुक्रवार से हो रही है जिसमें पहले दिन ही नहाय-खाय के साथ होगी। इस दिन व्रती महिलाएं सुबह जल्दी उठकर स्नान करती हैं और घर की साफ-सफाई करती हैं। इस दौरान पूरे घर में शुद्धता और पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जाता है। नहाय-खाय के दिन से ही छठ व्रत के कठोर नियमों का पालन शुरू हो जाता है और इसी दिन नहाय-खाय की रस्म निभाई जाती है।

कठिन व्रत के लिए शरीर को तैयार करना

छठ पूजा में महिलाएं 36 घंटे का कठिन निर्जला उपवास करती हैं। इस वजह से व्रत शुरू करने से पहले यदि महिलाएं हल्का भोजन करती हैं, तो उन्हें व्रत करने में आसानी होती है और हल्का भोजन आसानी से पांच भी जाता है, जिससे उनकी सेहत पर भी कोई बुरा असर नहीं होता है। यही नहीं कद्दू में पानी की मात्रा भी भरपूर होती है, इसी वजह से व्रत शुरू करने से पहले पानी की अच्छी मात्रा भी शरीर में जाती है और 36 घंटे के उपवास के बाद शरीर में ज्यादा पानी की कमी नहीं महसूस होती है। इस तरह नहाय-खाय के दिन व्रत शुरू करने के पहले हल्का भोजन करना अत्यंत लाभदायक माना जाता है और धार्मिक कारणों के अलावा इससे शरीर को भी ऊर्जा मिलने में मदद होती है।



सीढ़ियों के नीचे भूलकर भी न बनाएं ये चीजें...

सीढ़ियों के नीचे शौचालय बनवाने से बचें

वास्तु मान्यताओं के अनुसार, सीढ़ियों के नीचे शौचालय बनाने से बचना चाहिए। सीढ़ियों को घर की भारी संरचना माना जाता है, जबकि शौचालय को अपशिष्ट से जुड़ी जगह माना जाता है। इसलिए दोनों को एक ही स्थान पर रखना वास्तु की दृष्टि से उचित नहीं माना जाता। मान्यता है कि इससे घर के वातावरण और सुख-समृद्धि पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

सीढ़ियों के नीचे पूजा स्थल न बनाएं

सीढ़ियों के नीचे पूजा घर या पूजा स्थल बनाने से भी बचना चाहिए। वास्तु के अनुसार, पूजा स्थल शांत और पवित्र जगह होनी चाहिए, जबकि सीढ़ियों पर लगातार लोगों की आवाजाही होती रहती है। इसलिए सीढ़ियों के नीचे पूजा स्थल बनाना वास्तु की दृष्टि से अनुकूल नहीं माना जाता।

सीढ़ियों के नीचे रसोई बनाने से बचें

यहां मुख्य कारण अग्नि तत्व बताया जाता है। वास्तु में रसोई को अग्नि तत्व से जोड़ा जाता है, जबकि सीढ़ियां भारी संरचना और लगातार आवाजाही वाला स्थान हैं। इसलिए सीढ़ियों के नीचे खाना पकाने की जगह बनाने को वास्तु के अनुसार अनुकूल नहीं माना जाता। कुछ वास्तु स्रोत इसे स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से भी जोड़ते हैं।

महिला बंदियों के बच्चों और बालिका गृह की संवासियों संग डॉ. वर्णिका शर्मा ने बांटी दीपावली की खुशियां

– जहां थी अपनत्व की दरकार, वहां पहुंचीं बाल अधिकार संरक्षण आयोग अध्यक्ष

– महिला जेल व बालिका गृह में मनाया दीपोत्सव; नन्हीं बच्चियों द्वारा निर्मित दीयों की सराहना







तरुण बन्छोर- जनता के गोठ

रायपुर। दीपावली केवल दीपों की रोशनी का पर्व नहीं, बल्कि उन जीवनों में भी उम्मीद और आत्मीयता का उजाला भरने का अवसर है जहां परिस्थितियां कठिन रही हैं। इसी मानवीय संवेदना को साकार करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने खम्हारडीह स्थित बालिका गृह एवं महिला जेल में निरुद्ध महिला बंदियों के बच्चों के साथ दीपावली का पर्व मनाया।

'पारिवारिक परिस्थितियां नहीं, मेहनत और अवसर तय करेंगे बच्चों का भविष्य'

बाल आयोग अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने बच्चों के बीच पहुंचकर उनके साथ आत्मीय समय बिताया और उनकी पढ़ाई, रुचियों और भविष्य के सपनों की जानकारी ली। बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन की विषम परिस्थितियां कभी किसी के सपनों का दायरा सीमित नहीं कर सकतीं। प्रत्येक बच्चे को एक सुरक्षित, गरिमामय और खुशहाल बचपन का नैसर्गिक अधिकार है। उन्होंने बच्चों को प्रेरित किया कि वे पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ें।

महिला बंदियों से आत्मीय संवाद, बच्चों की परवरिश पर जोर

कार्यक्रम के दौरान डॉ. शर्मा ने जेल में निरुद्ध महिला बंदियों से भी सीधा संवाद स्थापित किया। उन्होंने बच्चों की शिक्षा, सही परवरिश और सकारात्मक परिवेश को लेकर चर्चा करते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में बच्चों का बचपन और उनके अधिकार प्रभावित नहीं होने चाहिए। बच्चों पर माता-पिता की परिस्थितियों का दबाव बनने के बजाय उन्हें आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलने चाहिए।

नन्हीं 'खुशी' की प्रस्तुति ने मोहा मन, हस्तनिर्मित दीयों ने बिखेरी चमक- समारोह के दौरान खुशी नामक बच्ची ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसे देखकर आयोग अध्यक्ष ने उसकी मुक्तकंठ से सराहना की और भविष्य में हुनर को और निखारने के लिए प्रेरित किया। इस आयोजन का सबसे भावुक पल तब देखने को मिला जब बालिका गृह की बच्चियों ने अपने हाथों से तैयार किए हुए सुंदर, रंग-बिरंगे दीये और हस्तशिल्प सामग्रियां डॉ. वर्णिका शर्मा को भेंट कीं। बच्चियों की लगन और रचनात्मकता की प्रशंसा करते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि हर बच्चे के भीतर संभावनाओं का एक संसार छिपा होता है; आवश्यकता केवल सही समय पर उनका हाथ थामने, उन्हें स्नेह देने और उचित मंच उपलब्ध कराने की है।

भाजपा सरकार में बिजली बिल बना जनता की लूट का जरिया: कांग्रेस

– दरों में 33त्न वृद्धि और कोयला शुल्क के बाद अब अतिरिक्त सुरक्षा निधि वसूलने का आरोप

– कांग्रेस की मांग: मनमानी वसूली पर तुरंत लगे रोक, सड़क से सदन तक लड़ाई की चेतावनी



तरुण बन्छोर- जनता के गोठ

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राज्य की भाजपा सरकार पर बिजली बिलों के माध्यम से आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने का गंभीर आरोप लगाया है। कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्रदेश में नई सरकार बनने के बाद बिजली अब जनसुविधा के बजाय जनता की जेब काटने और सरकारी वसूली का साधन बन गई है।

दरों में बढ़ोतरी के बाद अब अतिरिक्त सुरक्षा निधि का झटका

संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि सरकार ने पहले बिजली की दरों में लगभग 33 प्रतिशत की भारी वृद्धि की, फिर कोयले की कीमतों के नाम पर अतिरिक्त शुल्क थोपा और अब चालू माह के बिजली बिलों में 'अतिरिक्त सुरक्षा निधि' जोड़कर उपभोक्ताओं से जबरन वसूली की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब कनेक्शन लेते समय और मीटर लगाते समय उपभोक्ता पहले ही निर्धारित सुरक्षा निधि और शुल्क जमा कर चुके हैं, तो फिर हर साल अतिरिक्त सुरक्षा निधि वसूलने का क्या औचित्य है? विद्युत कंपनी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि पहले जमा की गई राशि का क्या हुआ।

मध्यम वर्ग, किसानों और छोटे कारोबारियों का बजट बिगड़ा

कांग्रेस नेता ने कहा कि लगातार की जा रही इस तरह की बढ़ोतरी ने आम परिवारों, मध्यम वर्ग, किसानों और छोटे व्यापारियों का घरेलू व व्यापारिक बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। बिजली कोई विलासिता नहीं, बल्कि आम नागरिकों की बुनियादी जरूरत है। एक संवेदनशील सरकार की जिम्मेदारी सस्ती और निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने की होती है, न कि हर महीने नए-नए मदों के बहाने जनता पर बोझ लादने की।

कांग्रेस की प्रमुख मांगें:

- बिजली बिलों में जोड़ी गई अतिरिक्त सुरक्षा निधि की वसूली पर तत्काल रोक लगाई जाए।
- उपभोक्ताओं द्वारा पहले से जमा कराई गई सुरक्षा निधि का पूरा हिसाब सार्वजनिक किया जाए।
- बार-बार ली जा रही इस अतिरिक्त राशि का तर्कसंगत औचित्य स्पष्ट किया जाए।

सुशील आनंद शुक्ला ने चेतावनी दी कि छत्तीसगढ़ की जनता इस आर्थिक दोहन को अब सहन नहीं करेगी। यदि सरकार ने बिजली दरों व शुल्कों में की जा रही इस मनमानी वसूली को तुरंत वापस नहीं लिया, तो कांग्रेस पार्टी उपभोक्ताओं के हक के लिए सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेगी।

सफाई मित्रों के संग मनी सच्ची दिवाली: नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने स्वच्छता दीदियों और कर्मियों को बांटे उपहार

– विगत 7 वर्षों से जारी है अनूठी परंपरा; डोर-टू-डोर कचरा संग्राहक, इलेक्ट्रीशियन और लाइनमैन भी हुए सम्मानित

– आकाश तिवारी बोले— शहर को स्वच्छ रखने वाले असली नायकों के चेहरे पर मुस्कान ही मेरी सच्ची दिवाली



तरुण बन्छोर- जनता के गोठ

रायपुर। दीपावली के पावन पर्व पर रायपुर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष एवं वार्ड क्रमांक 34 (पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड) के पार्षद आकाश तिवारी ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती यामिनी तिवारी के साथ मिलकर वार्ड के स्वच्छता कर्मियों और बुनियादी सेवाओं में जुटे कर्मचारियों के साथ खुशियां साझा कीं। विगत सात वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को निभाते हुए उन्होंने स्वच्छता दीदियों, सफाई मित्रों और वार्ड रखरखाव में लगे समस्त सहयोगियों को उपहार भेंट कर पर्व की बधाई दी।

जिनकी मेहनत से शहर चमकता है, वही असली नायक

इस अवसर पर आकाश तिवारी ने कहा कि जब पूरा शहर त्योहार की उमंग में डूबा होता है, तब ये स्वच्छता कर्मी सुबह से सड़कों, नालियों की सफाई और घर-घर से कचरा संग्रहण में जुटे रहते हैं, ताकि आम नागरिकों को कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा, जो लोग दिन-रात वार्ड की स्वच्छता और सुंदरता बनाए रखने में पसीना बहाते हैं, उनके बिना किसी भी उत्सव की कल्पना अधूरी है। इनके चेहरे पर मुस्कान लाना और इनके साथ खुशियां बांटना ही किसी भी बड़े अनुष्ठान से बढ़कर है; यही मेरी सच्ची दिवाली है।

सफाई कर्मियों के साथ तकनीकी व मैदानी अमले का भी सम्मान- आकाश तिवारी और श्रीमती यामिनी तिवारी ने वार्ड में कार्यरत सभी स्वच्छता दीदियों, सफाई मित्रों के साथ-साथ डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन करने वाले साथियों, स्ट्रीट लाइट सुधारने वाले इलेक्ट्रीशियन और नल-पाइपलाइन दुरुस्त रखने वाले तकनीकी कर्मियों को भी उपहार देकर सम्मानित किया।

उपहार पाकर कर्मचारियों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। स्वच्छता दीदियों ने आभार जताते हुए कहा कि हर वर्ष दिवाली के मौके पर जनप्रतिनिधि द्वारा इस तरह परिवार के सदस्य की भांति याद किया जाना उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान और संबल है।

जब तक ये साथी मुस्कुराएंगे, तब तक वार्ड मुस्कुराएगा

नेता प्रतिपक्ष ने संकल्प दोहराते हुए कहा कि यह सेवा और सम्मान का क्रम अनवरत जारी रहेगा। उन्होंने कहा, वार्ड को स्वच्छ और सुंदर बनाने वाला हर हाथ पूजनीय है। जब तक हमारे ये कर्मठ साथी मुस्कुराते रहेंगे, तब तक हमारा वार्ड और शहर भी मुस्कुराता रहेगा।

जल-जंगल-जमीन लूटने वाले कर रहे 'जनजाति गौरव' का ढोंग: दीपक बैज

स्मृति ईरानी के रायगढ़ दौरे पर कांग्रेस का तीखा हमला; बैज बोले— आदिवासियों के शोषण पर पर्दा डालने का रचा जा रहा पाखंड



तरुण बन्छोर- जनता के गोठ

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के रायगढ़ प्रवास और धरमजयगढ़ में आयोजित 'जनजाति गौरव दिवस' कार्यक्रम को लेकर राज्य सरकार व भाजपा पर तीखा हमला बोला है। बैज ने कहा कि बस्तर से लेकर सरगुजा तक आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन को उद्योगपतियों के पैरों तले रौंदने वाले लोग अब धरमजयगढ़ में जाकर आदिवासियों के प्रति प्रेम का ढोंग रच रहे हैं। यह आदिवासियों का सम्मान नहीं, बल्कि उनके अधिकारों के दमन और शोषण पर पर्दा डालने का राजनीतिक पाखंड है।

'तमनार में लाठियां भांजीं, नंदराज पर्वत उद्योगपतियों को सौंपा'- दीपक बैज ने कहा कि रायगढ़ जिले के तमनार में अपने संसाधनों की रक्षा के लिए आवाज उठाने वाले ग्रामीणों पर पुलिसिया बर्बरता की गई। बिना ग्रामसभा की सहमति के तारा कोल ब्लॉक और आदिवासियों की आस्था के केंद्र पवित्र नंदराज पर्वत को निजी कॉरपोरेट्स को सौंप दिया गया। वनाधिकार पट्टों को अटकाना और शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक विरोध को कुचलना सरकार की तानाशाही मानसिकता को उजागर करता है।

'महापुरुषों के वंशजों को जेलों में ठूंस रही सरकार'- प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, महानायक गुंडाधुर, अमर शहीद गैंदसिंह, माता राजमोहिनी देवी और कंगला मांझी के वंशजों को लगातार प्रताड़ित कर रही है। बस्तर से सरगुजा तक निर्दोष आदिवासियों को जेलों में बंद किया जा रहा है और उनके जल-जंगल-जमीन की खुली लूट मची है। ऐसे में जनजाति गौरव दिवस का आयोजन आदिवासियों के गहरे जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है।

'हसदेव में अंधाधुंध कटाई, आजीविका के साधन संकट में'- बैज ने कहा कि राज्य में भाजपा की डबल इंजन सरकार बनते ही हसदेव अरण्य, बैलाडीला और तमनार में जंगलों की अंधाधुंध कटाई शुरू हो गई है। बिना पुनर्वास और उचित मुआवजे के विस्थापितों की आवाज लाठियों के दम पर दबाई जा रही है। इसका सीधा असर वनाश्रितों की आजीविका पर पड़ा है—महुआ, तेंदूपत्ता, इमली और लघु वनोपज का संग्रहण संकट में है और नदियां प्रदूषित हो रही हैं।

'कांग्रेस ने जमीन लौटाई, भाजपा ने गिरवी रखी'- पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यों का उल्लेख करते हुए बैज ने कहा कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में पेसा (PESA) कानून को जमीन पर उतारा, 67 लघु वनोपजों की रिकॉर्ड खरीदी की और लोहंडीगुड़ा में टाटा संयंत्र के लिए अधिग्रहित की गई आदिवासियों की जमीनें वापस लौटाई। इसके विपरीत, मौजूदा सरकार आदिवासियों के अधिकारों को कॉरपोरेट घरानों के हाथों गिरवी रख रही है।

राहुल गांधी को श्रीकृष्ण बताकर भूपेश बघेल ने चाटुकारिता की हदें तोड़ीं: भाजपा

– सांसद संतोष पाण्डेय का तीखा हमला: बोले— कांग्रेस में केवल चापलूसी से तय होता है पद और कद



तरुण बन्छोर- जनता के गोठ

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तुलना भगवान श्रीकृष्ण से किए जाने पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखा राजनीतिक हमला बोला है। भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व सांसद संतोष पाण्डेय ने बघेल के बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे चाटुकारिता की पराकाष्ठा करार दिया। पाण्डेय ने कहा कि कहाँ योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण और कहाँ राहुल गांधी! बघेल को सार्वजनिक रूप से ऐसी तुलना करने से पहले अपनी मर्यादा तय करनी चाहिए थी।

'तुलना करके कंस या दुर्योधन का अपमान नहीं करूंगा'

सांसद संतोष पाण्डेय ने कटाक्ष करते हुए कहा कि बघेल का यह बयान सुनकर उन्हें उनके स्वर्गीय पिताजी की याद आ गई, जिनके दौर में भी इसी प्रकार के तर्क-कुतर्क देखने को मिलते थे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वह स्वयं राहुल गांधी की तुलना कंस, दुर्योधन या दुशासन से करके इन पौराणिक चरित्रों का अपमान नहीं करना चाहते, लेकिन चापलूसी की भी कोई सीमा होनी चाहिए।

'कांग्रेस में चाटुकारिता ही योग्यता का पैमाना'

कांग्रेस की कार्यशैली पर निशाना साधते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इंडियन नेशनल कांग्रेस में नेताओं का पद, कद और प्रतिभा केवल चमचागिरी के आधार पर मापी जाती है। उन्होंने इतिहास का उदाहरण देते हुए कहा कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने चाटुकारिता की सारी सीमाएं लांघते हुए 'इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा' कहकर पूर्व प्रधानमंत्री को भारत माता का दर्जा दे दिया था; आज बघेल भी उसी लीक पर चल रहे हैं।

दिग्विजय सिंह सरकार के दौर का भी दिया हवाला

संतोष पाण्डेय ने पूर्ववर्ती दिग्विजय सिंह सरकार के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय सुभद्रा कुमारी चौहान की प्रसिद्ध बाल कविता— ÷यह कदंब का पेड़ अगर माँ! होता यमुना तीरे, मैं भी उस पर बैठ कन्हैया बनता धीरे-धीरे÷ को साम्प्रदायिक बताकर स्कूली पाठ्यक्रम से हटा दिया गया था। उन्होंने कहा कि जिस दल का इतिहास ऐसा रहा हो, वह आज अपने राजनीतिक हित साधने के लिए भगवान श्रीकृष्ण के नाम का सहारा ले रहा है।

लिंग भेद खत्म करने की दिशा में श्री बालाजी हॉस्पिटल की पहल

रायपुर। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा पिछले कुछ वर्षों से बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने और लिंग भेद समाप्त करने के उद्देश्य से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान चलाया जा रहा है। इसी दिशा में छत्तीसगढ़ के प्रमुख चिकित्सा संस्थान श्री बालाजी हॉस्पिटल, महुआ द्वारा पुत्री रत्न के जन्म पर प्रसूता की निःशुल्क डिलीवरी कराने तथा आवश्यक दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराने की पहल की जा रही है। अस्पताल की इस पहल को सामाजिक सरोकार से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, इस सद्भावनापूर्ण पहल में हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. देवेंद्र नायक की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनके नेतृत्व में अस्पताल द्वारा चिकित्सा सेवाओं के साथ सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़े विभिन्न कार्य भी किए जा रहे हैं। शहर के वरिष्ठ नागरिक हरिश्चंद्र शुक्ला ने कहा कि देश में पुरुष एवं महिला अनुपात को लेकर लगातार चिंता बनी हुई है। विशेषकर कुछ राज्यों में कन्या जन्म को लेकर नकारात्मक सोच आज भी देखने को मिलती है, जिसे बदलने की आवश्यकता है। भोपाल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आर.के. जैन ने कहा कि एक ओर हम नवरात्रि में देवी स्वरूप की पूजा करते हैं, वहीं दूसरी ओर कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराइयां चिंता का विषय बनी हुई हैं। ऐसे में समाज को केवल देवी वंदना तक सीमित न रहकर बेटियों के सम्मान और संरक्षण के लिए व्यवहारिक कदम उठाने चाहिए। राजधानी की चिकित्सक डॉ. संगीता तिवारी ने भी श्री बालाजी हॉस्पिटल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पुत्री जन्म पर निःशुल्क प्रसव और दवाइयों की सुविधा समाज में सकारात्मक संदेश देने वाली पहल है। बताया गया कि डॉ. देवेंद्र नायक के नेतृत्व में श्री बालाजी हॉस्पिटल द्वारा समय-समय पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किए जाते हैं, जिनके माध्यम से ग्रामीण एवं जरूरतमंद मरीजों तक चिकित्सा सेवाएं पहुंचाने का प्रयास किया जाता है। इसके अलावा अस्पताल द्वारा कैंसर उपचार से संबंधित एक अस्पताल के निर्माण की दिशा में भी कार्य किए जाने की जानकारी सामने आई है। वरिष्ठ पत्रकार संदीप शर्मा, रायपुर ने मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से अपील की है कि ऐसी सामाजिक एवं जनहितकारी स्वास्थ्य सेवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए जाएं।

मुकुंदपुर में 5.22 करोड़ के वृहद पुल का भूमिपूजन, बरसात में टूटता संपर्क अब होगा स्थायी

रायपुर जनता के गोठ

एमसीबी जिला के मुकुंदपुर से बलसोत्ता को जोड़ने वाले बहुप्रतीक्षित वृहद पुल का भूमिपूजन बुधवार को कोड़िया नाला के पास संपन्न हुआ। पीएमजीएसवाई योजना के तहत बनने वाले इस 120 मीटर लंबे पुल पर 522.08 लाख रुपये खर्च होंगे।

भूमिपूजन के साथ ही क्षेत्र के लोगों की वर्षों पुरानी मांग पूरी होने की दिशा में बड़ा कदम उठ गया है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल शामिल हुए। उन्होंने भूमिपूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत खड़गवां की अध्यक्ष श्याम बाई मरकाम, उपाध्यक्ष विरेन्द्र सिंह करियाम, जिला पंचायत सदस्य रामजीत लकड़ा और प्रिया मसराम, मुकुंदपुर सरपंच विजय सिंह और जनपद सदस्य सीतावंती भी उपस्थित रहीं। जिला प्रशासन और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण भी कार्यक्रम में पहुंचे। बरसात में क्यों जरूरी है यह पुल





मुकुंदपुर से बलसोत्ता मार्ग बरसात में सबसे बड़ी बाधा बन जाता है। स्कूली बच्चों, मरीजों, किसानों और रोज काम पर जाने वालों को घंटों इंतजार करना पड़ता था, कई बार लंबा चक्कर लगाना पड़ता था। नया पुल बनने के बाद यह समस्या स्थायी रूप से खत्म हो जाएगी। हर मौसम में निर्बाध आवागमन होगा। गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय, बाजार, स्कूल और अस्पताल से और मजबूत होगा। किसानों को अपनी उपज मंडी तक पहुंचाने में भी आसानी होगी। और मुकुंदपुर, बलसोत्ता सहित आसपास के दर्जनों गांवों को सीधा लाभ मिलेगा। आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस और अन्य वाहनों की आवाजाही बिना रुके हो सकेगी। क्षेत्र में व्यापार, रोजगार और विकास की गतिविधियों को भी गति मिलेगी। ग्रामीणों ने भूमिपूजन पर खुशी जताई और कहा कि पुल बनने से उनका बरसात का संघर्ष खत्म होगा। प्रशासन ने निर्माण कार्य को गुणवत्ता और समय सीमा के साथ पूरा कराने का भरोसा दिलाया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक—शुभम वर्मा द्वारा मकान नंबर 411, देवनगर, आदिवासी छात्रावास के सामने, शिव शंकर होटल के पीछे महादेव घाट रायपुरा, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग —मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित। (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:—9300870270, 9425520408 jantakegoth@gmail.com